MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 11 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-307

जय माँ भाग्यलक्ष्मी

उमड़ी भारी भीड़, बौखलाई एमआईएम



हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार के पास स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर एक बार फिर विवादों में आ गया है। दीपावली के दौरान मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। मुफ्त चांदी के सिक्कों के वितरण और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं के मंदिर पहुंचने से यह मामला फिर चर्चा में आ गया है। मुस्लिम कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मंदिर की कानूनी स्थिति पर सवाल उठाते हुए 435 साल पुराने चारमीनार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। कुछ लोगों ने आशंका व्यक्त की है कि कहीं चारमीनार का हाल भी बाबरी मस्जिद जैसा न हो जाए।

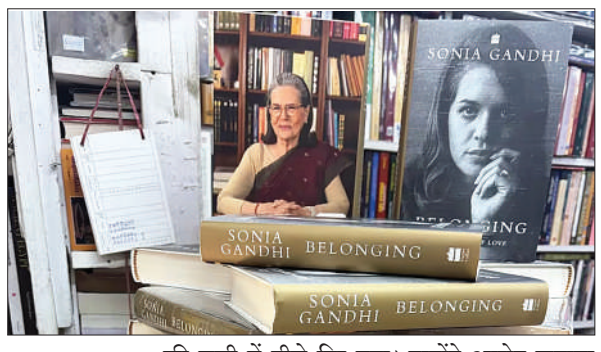
मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ पिछले सप्ताह से बढ़नी शुरू हुई थी। 6 नवंबर से शुरू हुए चांदी के सिक्कों के वितरण के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। इन सिक्कों को पूजा के दौरान देवी लक्ष्मी के चरणों में रखा जाता है। सिक्के के एक तरफ देवी लक्ष्मी और दूसरी तरफ चारमीनार की तस्वीर अंकित है। श्रद्धालुओं का मानना है कि इन सिक्कों से समृद्धि और सौभाग्य प्राप्त होता है। मंदिर में चार कतारों की व्यवस्था की गई है तथा सिक्कों के वितरण के लिए मंदिर को चौबीसों घंटे खुला रखा गया है। यह वितरण 11 नवंबर तक जारी रहने वाला है।

अमित शाह के दौरे से बढी हलचल

2 नवंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। इसके बाद भाजपा और बीआरएस के कई नेता भी यहां पहुंचे। 6 नवंबर को बीआरएस विधायक डी. सुधीर रेड्डी और भाजपा नेता पी. मुरलीधर राव ने पूजा की। 7 नवंबर को हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मंदिर पहुंचे। 8 नवंबर को तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और उनकी पत्नी जानकी शुक्ल ने विशेष पूजा-अर्चना की। भाजपा सांसद के. लक्ष्मण, प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव और विजयलक्ष्मी गदवाल के अलावा गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने भी अपने परिवार के साथ दर्शन किए।भाजपा नेता के. लक्ष्मण ने श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को गर्व की बात बताया। वहीं, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए हैदराबाद यातायात पुलिस ने 6 से 11 नवंबर तक यातायात संबंधी पाबंदियां लगाईं। 9 नवंबर को सालारजंग संग्रहालय, मदीना, हाईकोर्ट रोड और अफजल गंज-नयापुल मार्ग पर यातायात धीमी गति से चलने की चेतावनी दी गई थी।मंदिर में बढ़ती भीड़ और नेताओं के दौरों को लेकर कई मुस्लिम कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता सैफ उल इस्लाम फारूकी ने सवाल किया कि पुलिस ऐसे ▶8पर

मोदी आँखें चुराते हैं, मेनका के चलते घर टूटा

दास्तान-ए- सोनिया



नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपनी पुस्तक 'Belonging: A Journey of Love' में अपने राजनीतिक जीवन से जुड़ी कई अहम घटनाओं, रिश्तों और देश की राजनीति के अलग-अलग दौर को लेकर अपने अनुभव एवं विचार सामने रखे हैं। कांग्रेस की सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहने वाली सोनिया गांधी सार्वजनिक जीवन में रहने के बावजूद हमेशा एक निजी व्यक्तित्व रही हैं। इस पुस्तक में उन्होंने एक युवा इतालवी छात्रा से भारतीय राजनीति के केंद्र तक के अपने सफर को याद किया है। निजी अनुभवों के साथ उन्होंने आपातकाल, गांधी परिवार के भीतर के मतभेद, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों पर भी चर्चा की है।

हार्पर कॉलिन्स से प्रकाशित इस पुस्तक में सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार से लेकर वर्ष 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले, मनमोहन सिंह सरकार में अपनी भूमिका और प्रणब मुखर्जी की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा तक कई मुद्दों पर बात की है। पुस्तक में बाबरी मस्जिद, वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगे, रूस और चीन के दौरे, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ कांग्रेस के वर्ष 2008 के समझौते, राजीव गांधी से पहली मुलाकात, मेनका गांधी, वर्ष 1975 के आपातकाल और इंदिरा गांधी के साथ अपने रिश्ते का भी जिक्र किया गया है।

पुस्तक के कुछ हिस्सों में सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर अपनी राय रखी है। उन्होंने लिखा है कि मोदी सरकार के दौर में भारत उदार लोकतंत्र वाले देशों की सूची में नीचे गिर गया। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को तहस-नहस कर दिया है। सोनिया गांधी के मुताबिक, नरेंद्र मोदी के पीछे खड़ी वैचारिक शक्तियां उस व्यवस्था को कमजोर कर रही हैं, जिसने करीब 80 वर्षों से विविधताओं से भरी आबादी, विभिन्न भाषाओं, आस्थाओं और रीति-रिवाजों के ताने-बाने को एकता के नाजुक सूत्र में बांधकर रखा है।

पुस्तक में सोनिया गांधी ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार के पास कोई नया दृष्टिकोण नहीं है। उन्होंने लिखा है कि मोदी ने यूपीए सरकार के दौर की कम से कम 30 योजनाओं को अपना लिया, उनके नाम अधिक आकर्षक रख दिए और उनका दायरा काफी सीमित कर दिया। इनमें से कुछ कल्याणकारी योजनाओं की प्रधानमंत्री स्वयं पहले आलोचना कर चुके हैं।

मोदी आँख नहीं मिलाते

पुस्तक में सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी मुलाकातों का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि प्रधानमंत्री से उनकी औपचारिक मुलाकातें होती थीं। इनमें लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में हुई मुलाकात भी शामिल थी। एक बार अस्पताल में भर्ती रहने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी उनसे मिलने आए थे। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे पूछा था, ठीक हैं आप? ▶8पर

एनएसजी को नई यूनिफॉर्म

44 डिग्री तापमान में बेहोश हुआ था कंमाडो



नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

भीषण गर्मी और उससे होने वाली थकान को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने अपने ब्लैक कैट कमांडो के लिए हवादार यूनिफॉर्म तैयार करने का सुझाव दिया है। ये कमांडो देश की कुछ अति संवेदनशील हस्तियों को वीआईपी सुरक्षा प्रदान करते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम अप्रैल में हुई एक घटना के बाद उठाया गया है। उस समय आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात एक कमांडो बेहोश हो गया था। अधिकारियों के अनुसार, उस दिन विजयवाड़ा में तापमान लगभग 44 डिग्री सेल्सियस था। कमांडो ने अपनी काली यूनिफॉर्म के ऊपर बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। सिर पर काली टोपी (बेरेट) थी और कमर के चारों ओर छोटे हथियार लगे हुए थे। इस वजह से उसे लू लग गई और वह अत्यधिक थकान का शिकार हो गया।

इस घटना के कई वीडियो सामने आए थे, जिनमें दिखाई दे रहा है कि जब नायडू पत्रकारों से बात कर रहे थे, तभी उनके पास तैनात कमांडो बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे गिरने से बचाने के लिए अन्य सुरक्षाकर्मियों को मदद करनी पड़ी।

एनएसजी की क्लोज प्रोटेक्शन फोर्स (सीपीएफ) के कमांडरों और एनएसजी मुख्यालय के विशेषज्ञों ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। उनका मानना है कि बढ़ती गर्मी और तापमान वीआईपी सुरक्षा टीमों के जवानों की शारीरिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं।

दरअसल, काले रंग की यूनिफॉर्म अधिक गर्मी सोखती है। इसके अलावा, ड्यूटी के दौरान कमांडो को लगभग छह किलोग्राम वजनी बुलेटप्रूफ जैकेट पहननी पड़ती है। साथ ही वे काले चश्मे और संचार उपकरण भी अपने साथ रखते हैं। ऐसे में गर्मी के कारण उनकी परेशानी और बढ़ जाती है।

इसी को ध्यान में रखते हुए कमांडो के लिए बेहतर और आरामदायक यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने का फैसला किया गया है। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि एनएसजी के वीआईपी सुरक्षा कमांडो की काली यूनिफॉर्म के लिए 'नाइको' नाम के हवादार कपड़े का सुझाव दिया गया है। यह कपड़ा नायलॉन और कॉटन से मिलकर बनता है।

सूत्रों के अनुसार, नाइको कपड़े से हवा और नमी आसानी से आर-पार जा सकती है, जिससे इसे पहनने वाले को ठंडक महसूस होती है। इस प्रक्रिया से जुड़े एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा कमांडो भी नाइको कपड़े से बनी यूनिफॉर्म पहनते हैं। ये कमांडो जंगलों में अभियान चलाने में माहिर होते हैं और अक्सर तेज धूप तथा उमस भरी परिस्थितियों में काम करते हैं। अधिकारी ने बताया कि नए कपड़ों का परीक्षण पूरा हो चुका है और एनएसजी जल्द ही इस सामग्री की खरीद करेगी। ▶8पर

सेना खरीदेगी आत्मघाती ड्रोन

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।



केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) अब पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर आधुनिक युद्ध तकनीकों को अपना रहा है। बल दुश्मन के ठिकानों पर सटीक और प्रभावी हमले के लिए लोइटरिंग म्यूनिशन यानी आत्मघाती ड्रोन खरीदने की तैयारी में जुटा है। ये ड्रोन केवल निगरानी करने वाले नहीं, बल्कि निर्देशित मिसाइल की तरह लक्ष्य को नष्ट करने की क्षमता रखते हैं। सीआरपीएफ ने कंपनियों से 25 नवंबर 2026 तक इन ड्रोनों की विस्तृत तकनीकी जानकारी मांगी है। इससे खरीद प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

लोइटरिंग म्यूनिशन को आम भाषा में आत्मघाती या कामिकाजे ड्रोन कहा जाता है। ये हवा में कुछ समय तक मंडराते रहते हैं, लक्ष्य की पुष्टि करते हैं और फिर स्वयं को लक्ष्य पर गिराकर विस्फोट करते हैं। पारंपरिक मिसाइलों के मुकाबले इनमें अधिक लचीलापन और सटीकता होती है।

सीआरपीएफ जैसे बल के लिए यह तकनीक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके माध्यम से दूर से ही उच्च महत्व वाले लक्ष्यों को नष्ट किया जा सकता है और जवानों को सीधे खतरे में डालने की जरूरत नहीं पड़ती। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे ड्रोन छापामार युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

मांगी गई तकनीकी क्षमताएं और मानक

सीआरपीएफ ने इन ड्रोनों के लिए स्पष्ट मानक तय किए हैं। प्रत्येक ड्रोन में कम से कम 1.5 किलोग्राम वजन के दो उच्च विस्फोटक वारहेड ले जाने की क्षमता होनी चाहिए।

न्यूनतम मारक दूरी 15 किलोमीटर और उड़ान का समय कम से कम 30 मिनट निर्धारित किया गया है।

लक्ष्य पर हमला करने के बाद इसका प्रभाव क्षेत्र यानी इम्पैक्ट रेडियस 10 मीटर रखा गया है। इन विशेषताओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ड्रोन न केवल दूर तक पहुंच सके, बल्कि सटीक निशाना भी लगा सके। निगरानी और हमले की दोनों क्षमताओं के संयोजन से ये ड्रोन युद्धक्षेत्र में बहुआयामी भूमिका निभा सकेंगे।

इस तकनीक से सबसे पहले मणिपुर में तैनात सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन को मजबूती मिलने की उम्मीद है। मणिपुर में पहले से दो कोबरा बटालियन तैनात हैं और तीसरी की तैनाती भी जल्द हो सकती है। वहां की जटिल सुरक्षा स्थिति में ऐसे सटीक हमले करने वाले ड्रोन बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियानों के लिए भी इस तकनीक का इस्तेमाल अहम माना जा रहा है। आतंकवादी संगठनों से निपटने के दौरान जरूरत पड़ने पर इन ड्रोनों का सहारा लिया जा सकता है। विश्लेषण के मुताबिक, यह खरीद केवल हथियारों की खरीद नहीं, बल्कि सुरक्षा बलों की रणनीति में गुणात्मक बदलाव का संकेत है।कुल मिलाकर, सीआरपीएफ का यह कदम आधुनिक युग की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। तकनीकी मानकों का सख्ती से पालन और समय पर खरीद प्रक्रिया पूरी होने से बल की क्षमताएं और मजबूत हो सकती हैं।

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29⁰
न्यूनतम : 16⁰

CRPF कैंप हमले के आरोपी की हत्या

शहीदों का बदला!

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के रामपुर में वर्ष 2007 के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैंप हमले के मामले में आरोपी रहे मोहम्मद शरीफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 10 नवंबर 2026 को अज्ञात हमलावरों ने उसे गोली मारी। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गोली मारने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

मोहम्मद शरीफ उर्फ सुहैल उर्फ साजिद उर्फ अनवर उर्फ अली रामपुर का रहने वाला था। उसका नाम 31 दिसंबर 2007 और 1 जनवरी 2008 की रात रामपुर स्थित सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले के मामले में सामने आया था। इस हमले में



सीआरपीएफ के सात जवान और एक रिक्शा चालक मारे गए थे, जबकि पांच लोग घायल हुए थे। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा ने ली थी।इस मामले में रामपुर की अदालत ने वर्ष 2019 में मोहम्मद शरीफ समेत चार लोगों को फांसी की सजा सुनाई थी। इनमें सबाउद्दीन, इमरान शहजाद और मोहम्मद फारुख शामिल थे। वहीं, जंग बहादुर खान को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद मामला इलाहाबाद उच्च न्यायालय पहुंचा। 29 अक्टूबर 2025 को उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया था। अदालत ने जांच में भारी खामियां बताते हुए मोहम्मद शरीफ समेत पांचों आरोपियों को हत्या, आतंकवाद और साजिश जैसे आरोपों से बरी कर दिया था। हालांकि, उच्च न्यायालय ने पांचों को शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1-ए) के तहत दोषी माना था। इसके तहत उन्हें 10 साल की सजा और एक लाख रुपये जुर्माना सुनाया गया था।उच्च न्यायालय के फैसले के बाद मोहम्मद शरीफ नवंबर 2025 में बरेली केंद्रीय जेल से रिहा हुआ था। वह कई साल तक जेल में रहा था। ▶8पर

गाय गोद भराई!

रस्म, पूजा-अर्चना के बाद सामूहिक भोज



बुरहानपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में पशु प्रेम की अनूठी मिसाल देखने को मिली। जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर शाहपुर थाना क्षेत्र के बोरसर गांव में एक किसान परिवार ने अपनी गर्भवती गाय की गोदभराई की रस्म निभाई। परिवार ने गाय को घर का सदस्य और लक्ष्मी का स्वरूप मानते हुए पूरे पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर रिश्तेदारों और ग्रामीणों के लिए सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया।

किसान हरिभाऊ चौधरी और उनकी पत्नी बेबाबाई चौधरी ने गर्भवती गाय की गोदभराई का कार्यक्रम आयोजित किया। इसके लिए गाय का विशेष शृंगार किया गया। परिवार के सदस्यों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और पारंपरिक रस्में निभाईं।कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों के साथ रिश्तेदार और गांव के लोग भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर खुशियां मनाईं और गाय के प्रति अपना स्नेह जताया। ▶8पर



बांग्लादेश में मदरसा और मकान में लगी आग, धुएं की चपेट में आए 48 छात्र बेहोश

ढाका (बांग्लादेश)

देश में दो स्थानों पर लगी आग में बड़ी अनहोनी टल गई। हालांकि एक मदरसा में आग लग जाने से कम से कम 48 छात्र धुएं की चपेट में आने से बेहोश गए। दूसरी घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। खबर लिखे जाने तक दोनों जगह आग बुझाई जा चुकी थी। छात्रों को अस्पताल ले जाया गया है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पहली घटना नारायणगंज के फतुल्लाह इलाके के साइनबोर्ड स्थित जामिया अशरफिया मदरसा हुई। यहां ग लगने के बाद धुएं की चपेट में आने से कम से कम 48 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन छात्र गंभीर हालत में इंटेंसिव केयर यूनिट में हैं। दमकल विभाग ने चार घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझा दी।

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी के रेजिडेंट फिजिशियन सुल्तान महमूद सिकदर ने बताया कि धुएं के कारण बेहोश हुए 48 छात्रों को अस्पताल लाया गया है। इनमें से तीन की हालत गंभीर है। आईसीयू में भर्ती छात्रों के नाम यूसुफ (18), खैरुल (22) और जुबैर (18) हैं।

दमकल विभाग के अधिकारी शाहजहां ने बताया कि तड़के 3:44 बजे आग पर काबू पा लिया गया। आग पांच मंजिला मदरसा इमारत की दूसरी मंजिल पर लगी थी। अस्पताल में इलाज करा रहे छात्रों ने बताया कि दूसरी मंजिल पर बनी लाइब्रेरी थी पूरी तरह जल गई है। प्रभावित छात्रों के हवाले से चिकित्सक सुल्तान महमूद सिकदर ने बताया कि माना जा रहा है कि आग मदरसे के एक हिस्से में बिजली के शार्ट सर्किट की वजह से लगी।

धुआं पूरी इमारत में तेजी से फैल गया, जिससे छात्रों के बीच अफरा-तफरी मच गई। बाहर निकलने की जल्दबाजी में वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। धुएं की वजह से कई छात्रों के श्वसन तंत्र (सांस लेने के रास्ते) को नुकसान पहुंचा है। दूसरी घटना काक्स बाजार शहर के कलाटोली होटल-मोटेल जोन में हुई। यहां एक होटल के बगल में बने मकान में आग लग गई। आग सुबह करीब 6 बजे कलाटोली के शैकतपारा रोड पर लगी।

काक्स बाजार दमकल विभाग के अधिकारी सैयद मुहम्मद मोर्शेद हुसैन ने बताया कि आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। इससे पहले 17 अक्टूबर को काक्स बाजार मरीन ड्राइव के पास उखिया के इनानी में टुपटुप रेस्टो एंड रिसार्ट में लगी आग में 11 पर्यटकों की मौत हो चुकी है। इसके छह दिन बाद 23 अक्टूबर को काक्स बाजार शहर के सुगंधा पाइंट स्थित होटल सी प्रिंसेस में भी आग लग गई थी।

न्यूज ब्रीफ

तुर्किये के स्टील प्लांट में विस्फोट, 16 की मौत, 13 घायल, राष्ट्रपति एर्दोआन ने कहा-सारा देश दुखी



अंकारा (तुर्किये)। पश्चिमी तुर्किये के एक स्टील प्लांट में हुए विस्फोट में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत नाजुक है। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने यहां कैबिनेट बैठक के फौरन बाद इसकी पुष्टि की। राष्ट्रपति ने कहा कि इजमिर के आलियागा जिले में हुए इस विस्फोट के कारणों का पता लगाने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए न्यायिक और प्रशासनिक जांच शुरू कर दी गई है। तुर्किये के प्रमुख न्यूज चैनल टीएनटी वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति एर्दोआन ने अंकारा के राष्ट्रपति भवन परिसर में कैबिनेट बैठक के बाद कहा, इस घटना ने पूरे देश को गहरा दुख पहुंचाया है। इसके लिए जिम्मेदार लोगों की भी पहचान की जाएगी। इजमिर के गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि यह विस्फोट स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11:46 बजे (0846 जीएमटी) हबास आयरन एंड स्टील प्लांट में भट्टी (फर्नेस) बदलने के दौरान हुआ। एल्बान ने बताया कि एक सीलिंग क्रेन गिर गई। इससे कुछ सामान एक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में जा गिरा। इसके कारण एक प्राकृतिक गैस लाइन क्षतिग्रस्त हो गई और विस्फोट हो गया। उन्होंने शुरुआत में 10 लोगों की मौत और 15 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान जारी है और मलबे के नीचे चार लोगों के फंसे होने की आशंका है।

भारत ने रूस के इशारे पर मुझे और यूक्रेनियों को जेल में रखाः मैथ्यू

वाशिंगटन। अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक ने सोशल मीडिया पर बड़ा दावा करते हुए कहा है कि भारत ने उसे और कई यूक्रेनी नागरिकों को लगभग छह महीने तक जेल में रखा। वैनडाइक ने अपने इस अनुभव को यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध से जोड़ा है, जिसका अर्थ है कि उसका दावा है कि यह सब रूस के इशारे पर हुआ। उसने आने वाले छह महीनों तक इस मामले पर कई हैरान कर देने वाले खुलासे करने की बात कही है। मैथ्यू वैनडाइक को वर्तमान में कुछ शर्तों के साथ अमेरिका भेजा गया है। भारत में रहने की उनकी अनुमति 24 फरवरी तक बढ़ाई गई है। इससे पहले, वैनडाइक को एक महीने के लिए अमेरिका भेजा गया था, जिसके बाद वह दिल्ली की अदालत में सुनवाई के लिए वापस लौटा था। उसे और छह अन्य यूक्रेनी नागरिकों को इस शर्त पर अपने देश जाने की इजाजत दी गई थी कि वे वापस आकर जांच में शामिल होंगे। शुरुआत में उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था, हालांकि बाद में एनआईए ने अपनी चार्जशीट से यह धारा हटा दी थी। अब एनआईए ने अपनी चार्जशीट में वैनडाइक के खिलाफ इमिग्रेशन एंड फारेनर्स एक्ट के तहत आरोप लगाए हैं। उन पर और अन्य यूक्रेनी नागरिकों पर बिना इजाजत म्यांमार में घुसने और वहां के विद्रोही समूहों को हथियारों की ट्रेनिंग देने का आरोप है।



नेतन्याहू की उम्मीदें बरकरार, प्रतिद्वंद्वी को छह सप्ताह का समय

तेलअवीव। इजरायल के आम चुनाव के बाद सरकार गठन को लेकर राजनीतिक गतिरोध गहरा गया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, बहुमत से दूर होने के बावजूद, सत्ता में वापसी की उम्मीदें नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच, राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने नेतन्याहू के प्रतिद्वंद्वी, याशर पार्टी के गादी आइजनकोट को सरकार बनाने का न्योता दिया है और उन्हें बहुमत साबित करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया है। आइजनकोट की पार्टी को चुनाव में 48 सीटें मिली हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 61 है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, नेतन्याहू भी पूरी कोशिश में लगे हैं कि आइजनकोट बहुमत साबित न कर पाएं। आइजनकोट बहुमत के लिए अरब पार्टियों से समर्थन जुटा रहे हैं, जिन्होंने उनके समर्थन की बात कही है। दूसरी ओर, बेंजामिन नेतन्याहू ने राआम पार्टी के नेता मंसूर अब्बास से संपर्क किया है। नेतन्याहू ने वोटिंग के दौरान और बाद में भी मंसूर अब्बास से संपर्क कर समर्थन की मांग की। हालांकि नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों को देखते हुए, उनकी सत्ता में वापसी आसान नहीं मानी जा रही है। नेतन्याहू के एक सहयोगी ने मंसूर अब्बास से पूछा था कि क्या वह वोटिंग के बाद आइजनकोट की सरकार बनाने में मदद करेंगे। इस पर मंसूर ने कहा कि पहले वह परिणाम आने का इंतजार करेंगे और इसके बाद ही कोई फैसला लेंगे। बार-बार संपर्क करने की कोशिश करने पर मंसूर ने नेतन्याहू के सहयोगी से बात करना ही बंद कर दिया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जब मंसूर अब्बास ने बात बंद कर दी, तो नेतन्याहू की ओर से कहा गया कि याशर पार्टी उनके गठबंधन को तोड़ना चाहती है, ऐसे में क्या वह अपने स्वाभिमान से समझौता करके उसका समर्थन करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी जासूसी के आरोपों से घिरे एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग का बचाव किया

वाशिंगटन (अमेरिका)

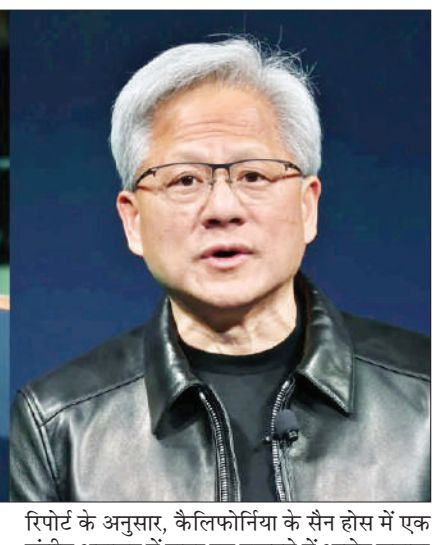
संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया ने चीन की खुफिया गतिविधियों के निशाने पर आए अपने सह संस्थापक और सीईओ जेन्सेन हुआंग के खिलाफ स्वतंत्र जांच शुरू की है। यह जांच उनके एलिस हुआंग नाम की एक चीनी बिजनेस एग्जीक्यूटिव से जुड़े होने के आरोपों के बाद सामने आई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि एलिस हुआंग चीन की मुख्य खुफिया एजेंसी मिनिस्ट्री आफ स्टेट सिक्योरिटी के लिए काम करती थीं। एनवीडिया की जांच की घोषणा के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेन्सेन हुआंग को बेहतरीन इनसान बताते हुए बचाव किया है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस की एक ब्रीफिंग के दौरान जेन्सेन हुआंग को बहुत ही बेहतरीन इंसान बताया। उन्होंने कहा, एफबीआई किसी और मामले के सिलसिले में इसकी जांच कर रही है और मुझे लगता है कि सब कुछ ठीक रहेगा। ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने जेन्सेन हुआंग से बात करके उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने कहा कि हुआंग ने बताया कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि जिस महिलाकी बात हो रही है, वह एक जासूस है।

हुआंग सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दिग्गज माने जाते हैं। उनपर एक संदिग्ध चीनी महिला जासूस के साथ संबंध रखने का आरोप लगा है। ट्रंप ने हुआंग को बहुत ही बेहतरीन इंसान बताया और उम्मीद जताई कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं पहुंचा होगा। ट्रंप ने कहा, जब मैंने इस बारे में सुना, तो मुझे बहुत हैरानी हुई, क्योंकि मैं उन्हें एक बहुत ही बेहतरीन इंसान मानता हूं और उन्हें लंबे समय से जानता हूं। यह दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है—शायद वैल्यू के हिसाब से सबसे बड़ी। उन्होंने यह सब एक चिप के जरिए हासिल किया है।

फाक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने बताया कि उन्होंने पहले हुआंग से बात कर पूछा कि क्या उन्हें उस महिला के चीनी खुफिया एजेंसियों से जुड़े होने की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा, उन्होंने कहा, मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि वह एक जासूस है। मुझे उनकी बात पर पूरा भरोसा है। एनवीडिया के तकनीकी दबदबे का जिक्र करते हुए, ट्रंप ने कहा कि





हुआंग की इंजीनियरिंग उपलब्ध दुनिया भर में बेजोड़ हैं। राष्ट्रपति ने कहा, आप देखिए, उनके पास एक ऐसी चिप है जो 10 साल आगे की तकनीक है। इस चिप को कोई कापी भी नहीं कर सकता। वह वाकई कमाल के इंसान हैं।

चीनी जासूसी के इस कथित मामले से राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया तंत्र पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या है। अगर कोई समस्या होगी तो हम आपको बता देंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने इस विवाद पर हुआंग का सार्वजनिक बयान देखा है। उन्होंने इस बात पर सहानुभूति जताई कि इस घटना की वजह से हुआंग को गंभीर व्यक्तिगत और पारिवारिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत तकलीफ में हैं। मैंने उनका बयान पढ़ा है और मुझे यकीन है कि वह बहुत परेशान हैं। खासकर अपने परिवार की वजह से। वे अपनी पत्नी से बहुत प्यार करते हैं।

फाक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शेयरधारकों ने हुआंग के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि कंपनी ने निवेशकों से यह जानकारी छिपाई कि हुआंग के एक ऐसी महिला के साथ संबंध थे, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। रिपोर्ट के अनुसार, कैलिफोर्निया के सैन होस में एक संघीय अदालत में दायर इस मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि एनवीडिया और हुआंग ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी उन चिंताओं का खुलासा नहीं किया, जिनसे कंपनी की साख और कारोबार को नुकसान पहुंच सकता था। बताया जाता है कि हुआंग ने कर्मचारियों से स्वीकार किया था कि उन्होंने अपनी पत्नी को धोखा दिया है, लेकिन उन्होंने एलिस हुआंग के साथ अपने कथित संबंधों पर कुछ नहीं कहा। एलिस हुआंग, सिंगापुर स्थित चिप खरीदार कंपनी मेगास्पीड की पूर्व एग्जीक्यूटिव रही हैं।

चीन ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग को किसी चीनी खुफिया आपरेशन के जरिए निशाना बनाया गया था। चीन ने इन आरोपों को बेबुनियाद अटकलें और चीन को बदनाम करने की कोशिश करार दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उनसे द न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के बारे में पूछा गया था, जिसमें अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के हवाले से दावा किया गया था कि एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग की करीबी एक चीनी महिला बीजिंग को खुफिया जानकारी दे रही थी।

नेपाल में सात माह में नहीं हो सकी आयोगों में नई नियुक्ति



काठमांडू

नेपाल में संक्रमणकालीन न्याय प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए गठित सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोग और बेपता पारिएका व्यक्तियों के लिए बने जांच आयोगों पिछले सात महीनों से पदाधिकारियों के बिना चल रहे हैं।

सरकार ने 5 मई 2026 को सार्वजनिक पदाधिकारियों को पदमुक्त करने संबंधी विशेष प्रावधान अध्यादेश, 2026 जारी किया था। इस के तहत दोनों आयोगों के तत्कालीन पदाधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया गया था। तब से नई नियुक्ति नहीं हो पाई है।

सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोग में शुरुआत में 63,718 शिकायतें दर्ज हुई थीं। वर्ष 2024 में संबंधित कानून में संशोधन के बाद शिकायतें दर्ज कराने की समय-सीमा बढ़ा दी गई । इसके बाद 15 हजार से अधिक नई शिकायतें दर्ज हुईं। शिकायतों की कुल संख्या 78,909 हो गई।

राष्ट्रीय सभा के सदस्य और पूर्व महान्यायाधिवक्ता खम्म बहादुर खाती ने कहा, आयोगों में कोई पदाधिकारी नहीं हैं, जबकि वहां काफी काम किया जाना बाकी है। आयोगों का पुनर्गठन होना चाहिए, शिकायतों की जांच होनी चाहिए और पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। खाती राष्ट्रीय सभा की विधायन व्यवस्थापन समिति के तहत गठित उपसमिति द्वारा किए गए उस अध्ययन में भी शामिल थे, जिसमें कानूनों के कार्यान्वयन और संक्रमणकालीन न्याय की मौजूदा स्थिति का आकलन किया गया ।

इस अध्ययन में पाया गया कि सरकार ने संक्रमणकालीन न्याय के मुद्दे को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी है। खाती ने कहा, कानून और कार्यविधि बनाने के साथ-साथ राजनीतिक सहमति कायम करना, आयोगों की संस्थागत क्षमता मजबूत करना और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करना भी आगे की प्रमुख जिम्मेदारियां हैं। लेकिन एक बार फिर ऐसा नहीं दिख रहा है कि सरकार ने इस मुद्दे को अपनी प्राथमिकता में रखा है।

उन्होंने कहा कि कानून एवं न्याय मंत्री ने सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोग अधिनियम से संबंधित प्रावधानों को लागू करने की प्रतिबद्धता जताई थी, लेकिन सरकार ने अब तक अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

नेपाल के वित्तमंत्री स्वर्णिम वाग्ले तुर्किये रवाना, जलवायु सम्मेलन में लेंगे हिस्सा



काठमांडू। नेपाल के वित्तमंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन के 31वें कान्फ्रेंस आफ पार्टीज में हिस्सा लेने के लिए तुर्किये रवाना हो गए। वाग्ले टर्किश एयरलाइंस की उड़ान से काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जलवायु सम्मेलन के मेजबान शहर अंताल्या के लिए रवाना हुए। वह वहां नेपाल का प्रतिनिधित्व करेंगे और जलवायु परिवर्तन तथा सतत आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों पर देश का पक्ष रखेंगे। इस दौरान उनके करीब आधा दर्जन उच्चस्तरीय सत्रों में हिस्सा लेने का कार्यक्रम है। यह सम्मेलन 9 से नवंबर से शुरू हो चुका है। इसका समापन 20 नवंबर को होगा। नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे विदेशमंत्री शिशिर खनाल पहले ही वहां पहुंच चुके हैं। वाग्ले का 15 नवंबर को स्वदेश लौटने का कार्यक्रम है।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया

वाशिंगटन (अमेरिका)

संयुक्त राज्य अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन भारी दबाव में आ गया है। केंटकी से ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन के सांसद थामस मैसी ने रक्षामंत्री (रक्षा सचिव/ बदला पद नाम युद्धमंत्री) पीट हेगसेथ को पद से हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव पेश किया है। इस कदम से सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के सामने मुश्किल स्थिति पैदा हो गई है। अब पार्टी के सांसदों को तय करना होगा कि वे ट्रंप प्रशासन के प्रमुख मंत्री का समर्थन करते हैं या उनके खिलाफ कार्रवाई के पक्ष में हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (निचला सदन यानी यूनाइटेड स्टेट्स हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में इस प्रस्ताव पर बुधवार तक मतदान हो सकता है।

अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, थामस मैसी ने महाभियोग प्रस्ताव में पीट हेगसेथ पर ईरान युद्ध को संभालने के उनके तरीके और अन्य कथित कदाचारों को लेकर सवाल उठाया गया है। इस पर होने वाला मतदान ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान किसी कैबिनेट सचिव के खिलाफ पहला महाभियोग हो सकता है। साथ ही, यह इस बात का संकेत भी है कि अगले साल जब कांग्रेस में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण होगा, तो और कुछ देखने को भी मिल सकता है। हाउस फ्लोर पर महाभियोग के प्रस्ताव को पढ़ते हुए मैसी ने कहा कि



अगर हेगसेथ अपने पद पर बने रहते हैं, तो वे संविधान के लिए खतरा बने रहेंगे। उन्होंने अपने कर्तव्यों और कानून के शासन के बिल्कुल विपरीत काम किया है। उन्होंने कहा, सचिव हेगसेथ ने जानबूझकर एक विदेशी राष्ट्र के खिलाफ युद्ध शुरू करने के लिए गैर-कानूनी आदेशों को लागू किया। उन्होंने कांग्रेस के संवैधानिक और कानूनी फैसलों की जगह अपनी गैर-कानूनी कार्यकारी कार्रवाई को थोप दिया। बाद में ही प्रेस कान्फ्रेंस में मैसी ने चेतावनी दी कि जब डेमोक्रेट्स सत्ता में आएंगे तो वे बहुत आक्रामक रुख अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर हेगसेथ अपने पद पर बने रहते हैं तो डेमोक्रेट्स सुनवाई करेंगे। हेगसेथ के साथ काम करने वाले लोगों से पूछताछ करेंगे और सीनेट में महाभियोग की प्रक्रिया चलाएंगे। हेगसेथ ने महाभियोग की इस कोशिश को राजनीतिक रूप से प्रेरित शोर-शराबा बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे और उनकी टीम इस कोशिश से बिल्कुल भी चिंतित नहीं हैं। रक्षा विभाग ने एक्सिओस की टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। मैसी ने पहली बार महाभियोग का प्रस्ताव तब पेश किया था जब हाउस (सदन) अवकाश पर जाने वाला था, ताकि सदस्य अपने चुनाव प्रचार में जा सकें। उन्होंने इस प्रस्ताव को फिर से पेश किया, जिससे हाउस के नेताओं के पास कार्रवाई करने के लिए दो विधायी दिनों का समय शुरू हो गया है। मैसी और कांग्रेस के अन्य सदस्यों का आरोप है कि हेगसेथ ने कांग्रेस की अवहेलना की है। उन्होंने ईरान में उस अलोकप्रिय युद्ध को जारी रखा, जिसे बंद करने के लिए कांग्रेस ने विधायी प्रयास किए थे। कुल आठ प्रस्तावों में से तीन में हेगसेथ पर ईरान में कांग्रेस की युद्ध शक्तियों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। अन्य आरोपों में नागरिकों की मौत, संदिग्ध नशीले पदार्थों वाली नावों पर हमले, सीनेटर मार्क केली के खिलाफ जवाबी कार्रवाई, निकोलस मादुरो को पकड़ना और यमन में सैन्य अभियान जैसे कदाचार शामिल हैं।

शेख हसीना के नया पासपोर्ट मांगने की बीएनपी ने की आलोचना, सरकार का प्रत्यर्पण पर जोर

ढाका (बांग्लादेश)

देश के प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक महासचिव एडवोकेट रूहुल कबीर रिजवी ने कहा कि सत्ता से हटाई गईं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) मांगना बेशर्मी भरा कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसा काम वही व्यक्ति कर सकता है, जिसमें शर्म नाम की कोई चीज न हो।

बीएसएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने सवाल किया, सालों तक छात्रों, बच्चों, मजदूरों और आम लोगों की अंधाधुंध हत्याएं करने के बाद शेख हसीना देश लौटने और जनता के स्वागत किए जाने की उम्मीद कैसे कर सकती हैं रिजवी ने कहा कि शेख हसीना अब देश लौटने के लिए बेशर्मी से विदेशी ताकतों से समर्थन मांग रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में कानून अपना काम करेगा।

रिजवी ने नेशनल प्रेस क्लब के काजी नजरुल इस्लाम आडिटोरियम में राष्ट्रीय क्रांति और एकजुटता दिवस के अवसर पर आयोजित एक चर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए ये बातें कहीं। इस कार्यक्रम का आयोजन जिया परिषद ने किया इसकी अध्यक्षता परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष और शेर-ए-बांग्ला कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डा. मो. अब्दुल लतीफ ने की।

रिजवी ने कहा कि हो सकता है शेख हसीना जुलाई विद्रोह को भूल गई हों, लेकिन बांग्लादेश की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी। उन्होंने कहा कि देश 2024 के विद्रोह के दौरान अबू सईद और मीर मुग्धा सहित उन युवाओं के बलिदान को हमेशा याद रखेगा।

7 नवंबर की ऐतिहासिक घटना को याद करते हुए रिजवी ने कहा कि इसकी भावना लोगों को तानाशाही का विरोध करने, अपने अधिकारों की रक्षा करने और देश की स्वतंत्रता व संप्रभुता को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार,



पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिसंबर में भारत से अपनी प्रस्तावित वापसी के लिए औपचारिक रूप से एक नया बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगा है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि वह उन्हें एक यात्री के रूप में वापस आने देने के बजाय प्रत्यर्पण संधि के जरिए वापस लाना चाहती है। विदेश मामलों के राज्यमंत्री हुमायूं कबीर ने इस आवेदन को खारिज करते हुए प्रत्यर्पण पर जोर दिया। वहीं गृहमंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि सरकार इस आवेदन की प्रमाणिकता, कानूनी आधार और प्रक्रियात्मक वैधता की जांच कर रही है।

इस बीच इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक ने इस कदम को एक राजनीतिक स्टंट करार दिया और सवाल उठाया कि क्या हसीना वास्तव में वापस आना चाहती हैं। नवंबर 2025 में इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधानमंत्री को उनकी अनुपस्थिति में ही मौत की सजा सुनाई थी। यह सजा 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह को कुचलने के दौरान मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों के लिए दी गई थी। शेख हसीना ने इन आरोपों से इनकार किया है।

विदेश मंत्रालय में इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यमंत्री हुमायूं कबीर ने हसीना के आवेदन को पूरी तरह से बेतुका बताया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश किसी ऐसे भगोड़े को, जिसे गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया हो, वापस लाने के लिए कोई सामान्य पासपोर्ट जारी नहीं करेगा। राज्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच पहले से ही एक प्रत्यर्पण संधि है। हसीना की वापसी इसी समझौते के तहत होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर वह सच में बांग्लादेश लौटना चाहती हैं तो उन्हें भारत सरकार से कहना चाहिए कि उन्हें प्रत्यर्पण संधि के तहत बांग्लादेश को सौंप दिया जाए। कबीर ने हसीना का प्रतिनिधित्व कर रही ब्रिटिश ला फर्म की भी आलोचना की और इस आवेदन को दायर करने के कानूनी और नैतिक आधार पर सवाल उठाए। उन्होंने माना कि कोई भी व्यक्ति वकील रख सकता है और अधिकारियों के सामने अपनी बात रख सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि ऐसा करने से अपने आप पासपोर्ट पाने का अधिकार नहीं मिल जाता। राजनयिक सूत्रों ने भी इस बात पर सवाल उठाया है कि क्या इस आवेदन को सही तरीके से अधिकृत किया गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुकसानदेह है और यह सोचने–समझने की ताकत को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को ख़ुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेंगे। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 नवंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया सायं 03:54 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 11:38 तक
योग : अतिगंड रात्रि 03:39 तक
करण : कौलव सायं 03:54 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09 ,सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
सहकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
तिथि विशेष : यम द्वितीया, यमुना स्नान , चन्द्रदर्शन, भाई दूज, गण्डमूल प्रातः 11:38 से , अमृत सिद्धि योग प्रातः 06:18 से 11:38 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गोवर्धन पूजा प्रकृति, गौमाता और अन्न के प्रति कृतज्ञता का महापर्व : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर नियमित अन्न–सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सेवा भावना के साथ किया गया। इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महाप्रसाद का भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रकृति, गौमाता, अन्न और संपूर्ण सृष्टि के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का महान अवसर है।



उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत की पूजा का संदेश देकर मानव समाज को प्रकृति के महत्व का बोध कराया था। गोवर्धन पूजा हमें सिखाती है कि प्रकृति हमारी जीवनदायिनी है और उसकी रक्षा करना प्रत्येक मनुष्य का नैतिक दायित्व है। गौमाता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में पूजनीय स्थान रखती हैं। गौसेवा, प्रकृति संरक्षण और जरूरतमंदों की सेवा हमारी संस्कृति के ऐसे आदर्श हैं, जिन्हें प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि अन्नकूट महाप्रसाद का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे, समरसता और सामूहिक सेवा भावना को मजबूत करता है। अन्न को हमारे शास्त्रों में ब्रह्म का स्वरूप माना गया है। इसलिए अन्न का सम्मान करना और जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना अत्यंत पुण्य का कार्य है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल दान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन है। त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होती है, जब हमारी खुशियों में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता हो और कोई भी व्यक्ति अभाव के कारण भूखा न रहे।उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ समाज में मानवता के संस्कारों को मजबूत करना है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। यह कार्य किसी व्यक्तिगत प्रसिद्धि या दिखावे के लिए नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा और ईश्वर के प्रति श्रद्धा की भावना से किया जा रहा है। सेवा के इस कार्य में प्रत्येक सदस्य का सहयोग महत्वपूर्ण है। जब समाज के लोग मिलकर सेवा का संकल्प लेते हैं, तो छोटी–छोटी कोशिशें भी बड़े सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन जाती हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, हर्षिता अग्रवाल, नमन अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, चिराग अग्रवाल, केशव अग्रवाल एवं राजेश सर योगा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर सेवा और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।





दीपावली के पावन अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा–अर्चना के बाद पुरिवार के साथ उपस्थित युवा व्यापारी विवेक बजाज।



दीपावली के पावन अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा–अर्चना करते हुए छन्यति ब्राह्मण समाज के भूतपूर्व अध्यक्ष प्रयाग तिवाडी।

जीएसआई अधिकारियों का सम्मान

–जाति–जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ ने संयुक्त सचिव एवं महानिदेशक को किया सम्मानित



हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), क्षेत्रीय मुख्यालय, दक्षिणी क्षेत्र, हैदराबाद में श्रीमती फरीदा नाइक, संयुक्त सचिव तथा श्री दिनेश विट्ठलराव गनवीर, महानिदेशक, केंद्रीय मुख्यालय (सीएचयू), कोलकाता ने दौरा किया। उनका यह दौरा महत्वपूर्ण रहा। इस अवसर पर क्षेत्रीय मुख्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ संवाद और विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श किया गया।

इस अवसर पर श्री अदर्ला महेश, अध्यक्ष के नेतृत्व में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के सदस्यों ने एडीजी चैंबर में श्रीमती फरीदा नाइक, संयुक्त सचिव तथा श्री दिनेश विट्ठलराव गनवीर, महानिदेशक का सम्मान एवं अभिनंदन किया।

सम्मान समारोह में श्री विष्णु विजयपंत मुगल, अपर महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष, दक्षिणी क्षेत्र; श्री एस. एन. महापात्रो, उप महानिदेशक, सर्वेक्षण इकाई, आंध्र प्रदेश; श्री शेषा साई, उप महानिदेशक, सर्वेक्षण इकाई, तेलंगाना तथा श्री एस. रवि, उप महानिदेशक, जीएसआईटीआई की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में संघ के क्षेत्रीय महासचिव श्री जे. राजशेखर, कोषाध्यक्ष श्री बी. आनंद कुमार, श्री ए. मेघराज, सहायक क्षेत्रीय सचिव श्री ए. शिवशंकर सहित अन्य गणमान्य सदस्य श्री जी. यदगिरी, श्री डी. वेंकटेश, श्री बोगे नरेश, श्री एस. देवैया नायडू, श्री जयचंद्र बाबू, के. नरेंद्र, ई. चंद्रैया एवं बलवीर ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी सदस्यों के सहयोग, समर्थन एवं सामूहिक प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस दौरान कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को महानिदेशक, जीएसआई के संज्ञान में भी लाया गया। इनमें क्षेत्रीय मुख्यालय में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराने तथा सभागार (ऑडिटोरियम) के नवीनीकरण कार्य को शीघ्र पूरा करने सहित अन्य समस्याएं प्रमुख रहीं।



परिवार के साथ दीपोत्सव मनाते हुए रेल यात्री सेवा मिति के पीआरओ पवन बल्दवा।



सिरपुर कागजनगर के मेन मार्केट में असावा परिवार की महिलाएं गोवर्धन पूजा करती हुईं। इस अवसर पर पुरुषोत्तम एवं कलावती असावा तथा ओमप्रकाश एवं वसंती देवी तिवाड़ी ने सभी को दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

रसूलपुरा जैन मंदिर में द्वार उद्घाटन, दीपावली पूजन संपन्न

धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धालुओं ने लिया भाग, भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक पर विशेष पूजा–अर्चना





हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रसूलपुरा स्थित जैन मंदिर में दीपावली के पावन अवसर पर डर उद्घाटन का कार्यक्रम बाजे–गाजे और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में धार्मिक एवं मांगलिक वातावरण बना रहा।

रमेश पी. तातेड, सिरोही ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातःकाल नवस्मरण एवं गौतम स्वामी की रास का पाठ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। इस शुभ अवसर के मुख्य लाभार्थी नीताबेन ललितकुमार चंपालालजी बाफना परिवार रहे। कार्यक्रम में नेहा–अर्पण श्री श्रीमाल, हसमुख हरण, मांगीलाल पुजारी सहित अनेक श्रद्धालु, समाजबंधु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

दीपावली के पावन अवसर पर सिकंदराबाद स्थित तातेड निवास में पुष्पाबेन जैन रत्न रमेश पुखराजजी तातेड परिवार, सिकंदराबाद–सिरोही की ओर से भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में विधि–विधान के साथ विशेष पूजन किया गया।

इस दौरान लक्ष्मी–गणेश, सरस्वती माता एवं कुलदेवी ओसियां माता की श्रद्धापूर्वक आराधना की गई। इसके पश्चात देवी–देवताओं की आरती कर पारंपरिक चोपड़ा पूजन संपन्न किया गया। पूरे आयोजन में परिवार के सदस्यों ने भक्तिभाव के साथ भाग लिया और सुख–समृद्धि एवं मंगलकामना के लिए पूजा–अर्चना की।



अबिड्स के मुबारक बाजार स्थित रतनलाल कॉम्प्लेक्स की सोनाली नमकीन में दीपावली के पावन अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा–अर्चना की गई। इस अवसर पर पंकज वर्मा एवं सोनाली वर्मा उपस्थित रहे।



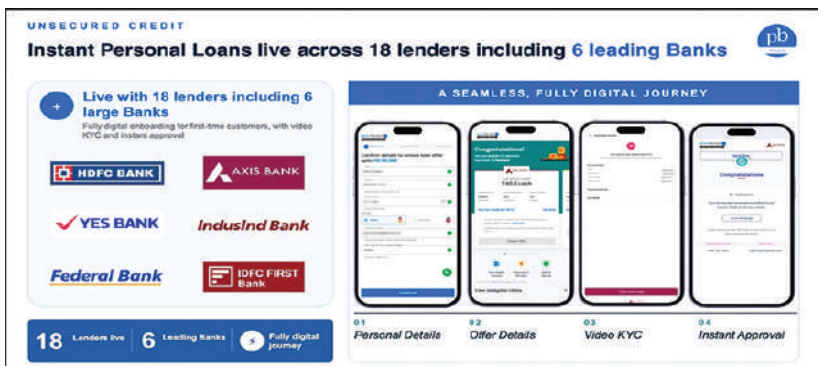
दीपोत्सव मनाते हुए बीआरएस नेता एच. कुमार एवं एच विद्या।

पैसाबाज़ार से 2 घंटे में मिलेगा 7 लाख तक का पर्सनल लोन

हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के प्रमुख फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म पैसाबाज़ार ने अपने इंस्टेंट पर्सनल लोन प्रोग्राम का विस्तार करते हुए 18 लेंडिंग पार्टनर्स को शामिल किया है।

इसके तहत ग्राहक डिजिटल प्रक्रिया से 7 लाख तक का पर्सनल लोन प्राप्त कर सकते हैं। बैंक और एनबीएफसी की मंजूरी तथा जरूरी दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी होने पर एक से दो घंटे में लोन की राशि खाते में जमा हो सकती है।

इस प्रोग्राम में एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एलएंडटी फाइनेंस, पूनावाला फिनकॉर्प, फेडरल बैंक, इंडसइंड बैंक, टाटा कैपिटल और हीरो फिनकॉर्प सहित प्रमुख वित्तीय संस्थान शामिल हैं। ग्राहक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चार आसान चरणों में आवेदन, अपनी प्रोफाइल के अनुसार ऑफर का चयन और वीडियो केवाईसी पूरा कर सकते हैं।



कंपनी की सीईओ संतोष अग्रवाल के अनुसार, प्लेटफॉर्म का उद्देश्य ग्राहकों को विभिन्न लेंडर्स के ऑफर एक ही जगह उपलब्ध कराकर लोन प्रक्रिया को तेज और सुविधाजनक बनाना है। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कंपनी के कुल लोन वितरण में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 22 प्रतिशत और अनसिक्योर्ड लोन वितरण में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।



गौ सम्मान आह्वान अभियान के संतश्री रविंद्रानन्द सरस्वतीजी (कर्नाटक नंद बाबा), गौ माता सेवक एवं पूर्व पुलिस कमिश्नर भास्कर राव तथा व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य प्रकाश पिरगल ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या से मुलाकात की। इस दौरान सांसद को गौ सम्मान आह्वान अभियान के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई। सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी अभियान को अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया।

जानिये राशि के अनुसार आपको किस देवी-देवता की पूजा करनी चाहिये



मेष

मेष राशि का मालिक मंगल है। इसलिए अपने मंगल गृह को मजबूत करने के लिए मेष राशि वालों को भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए।

वृष

वृष राशि का गृह शुक्र है इसलिए वृष राशि वालों को लक्ष्मी के पूजा करनी चाहिए।

मिथुन

मिथुन राशि का मालिक गृह बुध है। देवता 'श्रीमननारायण' हैं। बुध के राशि वालों को अच्छे भाग्य इसलिए बुध के लिए भगवान 'श्रीमननारायण' की आराधना करनी चाहिए।



कर्क

कर्क राशि का मालिक गृह चंद्रमा है। देवी गौरी चंद्रमा की देवी हैं। गौरी शांति और दया की देवी हैं इसलिए यदि आपकी राशि कर्क है तो आपको अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए देवी गौरी की पूजा करनी चाहिए।

सिंह

सिंह राशि का मालिक गृह सूर्य है और इस गृह के मालिक देवता भगवान शिव हैं। भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान है, अत: सिंह राशि वाले अपने भजनों और पूजा से भगवान शिव को रिझाएँ।

कन्या

कन्या राशि का गृह बुध है। विष्णु के अवतार भगवान 'श्रीमननारायण' बुध गृह के मालिक हैं, इसलिए कन्या राशि वालों को अच्छे भाग्य के लिए भगवान 'श्रीमननारायण' की पूजा करनी चाहिए।



तुला

तुला राशि का मालिक शुक्र गृह है और शुक्र गृह की स्वामी देवी लक्ष्मी हैं। इसलिए आप देवी लक्ष्मी की आराधना करें, इससे सौभाग्य और धन-धान्य की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि का मालिक गृह भी मंगल है। इसलिए वृश्चिक राशि वालों को अपना मंगल मजबूत करने के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

धनु

धनु राशि का स्वामी वृहस्पति गृह है। वृहस्पति के स्वामी 'श्री दक्षिणमूर्ती' हैं जो कि भगवान शिव के अवतार हैं, ये ज्ञान और बुद्धि के देवता है। इसलिए इनका प्रभाव प्राप्त करने के लिए धनु राशि वालों को 'श्री दक्षिणमूर्ती' की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

मकर

इस राशि का स्वामी मंगल है। इसलिए मकर राशि वालों को भी सुख-समृद्धि के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

कुंभ

कुंभ राशि का स्वामी भी मंगल है। भगवान शिव मंगल के मालिक हैं, इसलिए कुंभ राशि वालों को पवित्र मन से भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए।

मीन

धनु राशि का मालिक गृह वृहस्पति है। वृहस्पति के स्वामी 'श्री दक्षिणमूर्ती' हैं इसलिए मीन राशि वालों को 'श्री दक्षिणमूर्ती' की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

रविवार को ना खाएं ये 5 वस्तुएं, वरना सूर्य देव का प्रकोप होगा आप पर



मसूर

मसूर में बहुत अधिक मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है जो मांस में पाए जाने वाले प्रोटीन की तुलना में भी बहुत अधिक होता है। अत: इसे 'देव भोग' अर्थात भगवान के प्रसाद के रूप में नहीं खाया जा सकता।

लाल साग

रविवार के दिन लाल साग खाना अशुभ माना गया है क्योंकि इस तरह के मिश्रित अल्पकालिक बारहमासी पौधे को वैष्णव धर्म में मृत्यु का प्रतीक माना गया है।

लहसुन

हालाँकि लहसुन ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए अच्छा माना गया है परन्तु इसे रविवार के दिन नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसे मृत व्यक्ति के पसीने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

मछली

यद्यपि मछली प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत मानी जाती है परन्तु रविवार के दिन इसे न खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह मांस है।



प्याज

प्याज एक प्रमुख सब्जी है तथा लगभग प्रत्येक घर में पाई जाती है। रविवार के दिन प्याज का सेवन करना अशुभ माना जाता है तथा इसे भगवान सूर्य को भी नहीं चढाया जा सकता।

कारण

जानिये कि रविवार के दिन इन 5 वस्तुओं का सेवन करना क्यों अशुभ माना जाता है। आजकल के समय में गौ हत्या को बहुत ही अधार्मिक माना जाता है परन्तु प्राचीन काल में इस पर कोई प्रतिबंध नहीं था।

गौमेद यज्ञ (1)-

ऐसा माना जाता है कि हिंदू कथाओं में गौमेद यज्ञ का उल्लेख मिलता है जिसमें गाय की बलि को एक अनुष्ठान माना जाता था। इसे बलवर्धक माना जाता था। एक बार एक साधु गौमेद यज्ञ करने का विचार करता है जिसमें सुबह गाय की बलि चढाकर उसे शाम तक पुनर्जीवित करने का प्रावधान होता है।

गौमेद यज्ञ (2)-साधु के पत्नी बहुत अधिक कमजोर थी। वह भूख सहन नहीं कर पाई। बहुत दिनों से वे फल और कंदमूल खाकर जीवन यापन कर रहे थे अत: उसने मारी हुई गाय के शरीर से एक टुकडा निकालकर उसे पकाने का निश्चय किया। परन्तु साधु की पत्नी को मांस की गंध सहन नहीं हुई अत: उसने मांस के टुकडे को जंगल में फेंक दिया जो बाद में दो टुकडों में विभक्त हो गया।

गौमेद यज्ञ (3)-बाद में जब शाम को साधु ने गाय को पुनर्जीवित किया तो जंगल में पडे हुए टुकडे भी पुनर्जीवित हो गए। पहला टुकडा जो जमीन पर गिरा था वह लहसुन बन गया और दूसरा टुकडा जो पास के तालाब में गिरा था वह मछली बन गया। जमीन पर पडी हुई रक्त की बूँदें मसूर की दाल में परिवर्तित हो गया और त्वचा प्याज के रूप में बदल गयी और हड्डियां लाल साग बन गयी।

हनुमान कवच में है अपार शक्ति



श्री हनुमान कवच अपने आप में भगवान की शक्ति रखता है जिसके प्रभाव से बुराइयों पर जीत पाई जा सकती है। हनुमान भक्त इस कवच की असीम शक्ति को जानते है। इस कवच की शक्ति को मन को एकाग्र: करके असीम साधना से जगाया जा सकता है। यह कहा जाता है की यह महावीर हनुमान का शक्तिग्रह है।

हनुमान कवच से लाभ :

इस कवच से भूत, प्रेत , चांडाल , राक्षश व अन्य बुरी आत्माओं से बचाव किया जा सकता है । यह कवच आपको टोनो टोटको से बचाता है और आपकी रक्षा करता है। काला जादू इस पर पूरी तरह पराजित हो जाता है। इस कवच का पूर्ण लाभ से जीवन के शोक मिट जाते है अत: इसे शोकनाशं भी पुकारा जाता है।

श्री हनुमान कवच यह कवच स्वं भगवान श्री रामचन्द्र द्वारा रचा और पढा गया है । इस हनुमत कवच का पाठ प्रभु श्रीराम ने स्वयं रावण से युद्ध करते समय किया था।

मूल मंत्र :

इस कवच का मूल मंत्र है : ऊँ श्री हनुमंते नम:

इस मंत्र का उच्चारण 108 बार रुद्राक्ष की माला के साथ सच्चे मन से करे और यह उपासना संपन्न होने के बाद अपने शोक निवारण के लिए हनुमानजी से विनती करे। इसके बाद हनुमानजी को चमेली का तेल और सिंदूर चढावे। साथ में यदि हनुमानजी को चोला और जनेऊ पहना सके तो और भी उत्तम है

इसे घर में रखने से कामयाबी के साथ ही पैसा और खुशहाली भी आती है

फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यानी हवा और पानी का सही संतुलन करना ही इस विद्या का आधार है। हवा से सुख की अनुभूति होती है और पानी से तृप्ति। फेंगशुई चीन की वास्तुकला मानी जाती है। फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यानी हवा और पानी का सही संतुलन करना ही इस विद्या का आधार है। हवा से सुख की अनुभूति होती है और पानी से तृप्ति। जिस प्रकार भारतीय वास्तु शास्त्र में प्रकृति के पांच तत्वों-अग्नि, पृथ्वी, वायु, जल और आकाश को महत्व दिया गया है, उसी प्रकार फेंगशुई में पांच तत्वों-अग्नि, पृथ्वी, धातु, जल और लकडी को महत्व दिया गया है। दोनों में मूलभूत अंतर यह है कि फेंगशुई में भारतीय वास्तु शास्त्र के तत्व वायु और आकाश की जगह लकडी और धातु को लिया गया है।

1.यदि आपको लग रहा है कि आपकी कमाई के सारे स्रोत बंद हो गए हैं तो तीन रंगों वाले फेंगशुई मेंढक (जिसके मुंह में सिक्के लगे हों) अपने घर में रखें। उसे इस तरह रखें कि उसकी पूरी दृष्टि आपके घर की ओर हो। ऐसा करने से भाग्य में वृद्धि होगी और आपकी आय के नए दरवाजे खुलेंगे।

2.घर के मुख्य दरवाजे पर लाल रिबन में बंधे हुए फेंगशुई के 3 सिक्के लटकाने चाहिए। इससे घर में धन और समृद्धि आती है। सिर्फ तीन ही सिक्के लटकाएं और उन्हें दरवाजे के भीतर की ओर रखें। बाहर की ओर सिक्के लगाने से लक्ष्मी द्वार के बाहर ही ठिठक जाती है। सिक्के हमेशा मुख्य दरवाजे पर ही लगाएं।

3.फेंगशुई में कछुए को भी बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर में रखने से कामयाबी के साथ ही पैसा और खुशहाली भी आती है। ध्यान रहे कि कछुए को ऑफिस या घर की उत्तर दिशा में रखना चाहिए। कछुए को रखते समय उसका चेहरा अंदर की ओर होना चाहिए। कछुए को कभी जोडे में नहीं रखना चाहिए।

4.फेंगशुई के नियम के अनुसार कछुआ कभी भी शयन कक्ष में नहीं रखना चाहिए। इसे रखने के लिए सबसे बेहतर स्थान घर का ड्राइंग रूम है।

5.कछुए को सूखे स्थान पर रखने के बजाय किसी बर्तन में पानी भर कर रखना चाहिए।

6.आर्थिक सफलता और कामयाबी के लिए घर में लाफिंग बुद्ध भी रखना चाहिए। इन्हें अपने घर में मुख्य द्वार से तिरछी तरफ रखें। बुद्ध समृद्धि के देव हैं। इनकी मुस्कान से घर में सुख और समृद्धि आती है।





मनचाही वस्तु प्राप्ति और इच्छा पूर्ति के लिए मंत्र जप से अधिक अच्छा साधन कोई और नहीं है। सभी मंत्रों में गायत्री मंत्र सबसे दिव्य और चमत्कारी है। कुछ मंत्र जप एक ऐसा उपाय है जिससे माना जाता है कि कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। मंत्रों की शक्ति से सभी भलीभांति परिचित हैं। मनचाही वस्तु प्राप्ति और इच्छा पूर्ति के लिए मंत्र जप से अधिक अच्छा साधन कोई और नहीं है।

क्यों है सभी मंत्रों में ये मंत्र इतना दिव्य और चमत्कारी

गायत्री मंत्रः- ऊँ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्त।

मंत्र का अर्थः सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परामात्मा के तेज का हम ध्यान करते है, वह परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करें।

सभी मंत्रों में गायत्री मंत्र सबसे दिव्य और चमत्कारी है। इस जप से बहुत जल्द परिणाम प्राप्त हो जाते हैं। गायत्री मंत्र विद्या का प्रयोग भगवान की भक्ति, ब्रह्मज्ञान प्राप्ति, दैवीय कृपा प्राप्त करने के साथ ही सांसारिक एवं भौतिक सुख-सुविधाओं, धन प्राप्त करने की इच्छा के लिए भी किया जा सकता है। शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र को वेदों को सर्वश्रेष्ठ मंत्र बताया गया है। इस मंत्र जप के लिए तीन समय बताए गए हैं। पहला सुबह सुर्योदय, मंत्र जप के लिए दूसरा समय है दोपहर मध्यान्ह का। तीसरा समय है शाम को सूर्यास्त के कुछ देर पहले मंत्र जप शुरू करके सूर्यास्त के कुछ देर बाद तक जप करना चाहिए। इन तीन समय के अतिरिक्त यदि गायत्री मंत्र का जप करना हो तो मौन रहकर या मानसिक रूप से जप करना चाहिए। शास्त्रों में इसके जाप की विधि विस्तृत रूप से दी गई हैं। इस मंत्र को जाप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का प्रयोग करना श्रेष्ठ होता है। इस के जप से उत्साह एवं सकारात्मकता, त्वचा में चमक आती है, तामसिकता से घृणा होती है, परमार्थ में रूचि जागती है, पूर्वाभास होने लगता है, आर्शीवाद देने की शक्ति बढती है, नेत्रों में तेज आता है, स्वप्र सिद्धि प्राप्त होती है, क्रोध शांत होता है, ज्ञान की वृद्धि होती है।

विद्यार्थीयों के लिए-

गायत्री मंत्र का जप सभी के लिए उपयोगी है किंतु विद्यार्थियों के लिए तो यह मंत्र बहुत लाभदायक है। रोजाना इस मंत्र का एक सौ आठ बार जप करने से विद्यार्थी को सभी प्रकार की विद्या प्राप्त करने में आसानी होती है। विद्यार्थियों को पढने में मन नहीं लगना, याद किया हुआ भूल जाना, शीघ्रता से याद न होना आदि समस्याओं से निजात मिल जाती है।

दरिद्रता के नाश के लिए-

यदि किसी व्यक्ति के व्यापार, नौकरी में हानि हो रही है या कार्य में सफलता नहीं मिलती, आमदनी कम है तथा व्यय अधिक है तो उन्हें गायत्री मंत्र का जप काफी फायदा पहुंचाता है। शुक्रवार को पीले वस्त्र पहनकर हाथी पर विराजमान गायत्री माता का ध्यान कर गायत्री मंत्र के आगे और पीछे श्रीं सम्पुट लगाकर जप करने से दरिद्रता का नाश होता है।

संतान संबंधी परेशानियां

किसी दंपत्ति को संतान प्राप्त करने में कठिनाई आ रही हो या संतान से दुखी हो अथवा संतान रोगग्रस्त हो तो प्रात: पति-पत्नी एक साथ सफेद वस्त्र धारण कर यौं बीज मंत्र का सम्पुट लगाकर गायत्री मंत्र का जप करें। संतान संबंधी किसी भी समस्या से शीघ्र मुक्ति मिलती है।

शत्रुओं पर विजय

यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं के कारण परेशानियां झेल रहा हो तो उसे प्रतिदिन या विशेषकर मंगलवार, अमावस्या अथवा रविवार को लाल वस्त्र पहनकर माता दुर्गा का ध्यान करते हुए गायत्री मंत्र के आगे एवं पीछे क्लीं बीज मंत्र का तीन बार सम्पुट लगाकार एक सौ आठ बार जाप करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। मित्रों में सद्भाव, परिवार में एकता होती है तथा न्यायालयों आदि कार्यों में भी विजय प्राप्त होती है।

विवाह कार्य में देरी

यदि किसी भी जातक के विवाह में अनावश्यक देरी हो रही हो तो सोमवार को सुबह के समय पीले वस्त्र धारण कर माता पार्वती का ध्यान करते हुए हीं बीज मंत्र का सम्पुट लगाकर एक सौ आठ बार जाप करने से विवाह कार्य में आने वाली समस्त बाधाएं दूर होती हैं। यह साधना स्त्री पुरुष दोनों कर सकते हैं।

नियम का पालन नहीं करने से व्यक्ति अनुशासन खो देता है



विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है। विवेकानंद कहते हैं सत्यवादी बनिए। किसी से डरे बगैर व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। व्यवस्थित जीवन जीने के लिए मनुष्य के जीवन में नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। नियम के बगैर मनुष्य का जीवन पशु से भी बदतर माना जाता है।

नियम पालन और कुछ नहीं, बल्कि अनुशासन में रहना है। जिस व्यक्ति के जीवन में अनुशासन है, वे अपने सभी काम सही समय पर और सही तरीके से करते हैं, जिससे सफलता उनके कदम चूमती है। इसके विपरीत अनुशासन के बगैर व्यक्ति कभी खुशहाल जीवन नहीं जी सकता।

ऐसा इसलिए, क्योंकि नियम का पालन नहीं करने से व्यक्ति अनुशासन खो देता है। इस कराण उसका जीवन कई तरह के संकटों से घिर जाता है। प्रकृति के सारे कार्य नियमबद्ध तरीके से होते हैं। जिस तरह सूर्य नित्य उदित होता है और चंद्रमा अपनी चांदनी बिखेरता है, उसी तरह मनुष्य को भी आलस्य को त्यागकर अपने जीवन में नियमों का पालन करना चाहिए। जीवन को नियम के अधीन कर देना आलस्य पर विजय पाना ही है। जब प्रकृति नियमों के प्रति इतनी सजग व अडिग है, तो मनुष्य को इससे छूट कैसे मिल सकती है। कभी-कभी प्रकृति जब अपने नियम से हटती है। हालांकि ज्यादातर बार इसकी वजह मनुष्य द्वारा किया गया खिलवाड ही होता है-तब विकराल घटनाएं घटित होती हैं। इसी तरह जो व्यक्ति नियमों का पालन नहीं करता, उसका जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और ऐसा मनुष्य मुसीबतों से घिर जाता है। मनुष्य द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक कार्य के लिए नियम हैं और जो व्यक्ति अपने कर्म में इन नियमों का पालन करता है, उसका जीवन सुखी व्यतीत होता है। विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है। विवेकानंद कहते हैं कि सत्यवादी बनिए। इसका आशय है किसी से डरे बगैर व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। चाहे यह किसी को अच्छा लगे या न लगे। सत्य के लिए सब कुछ छोडा जा सकता है, लेकिन सच को किसी भी चीज के लिए नहीं छोडा जा सकता। इसी तरह पवित्रता और परमार्थ के बारे में उन्होंने कहा था, ये जहां कहीं भी उपस्थित होंगे, ऐसी कोई ताकत नहीं है, जो उस व्यक्ति को हिला सके। इनसे युक्त होने पर व्यक्ति संपूर्ण ब्रहमांड के विरोध का सामना करने में सक्षम हो जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य को नियम पालन को अपना धर्म मानना चाहिए।

पढ़ाया जाएगा, कब और कितनी पिएं शराब

इटली के प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को शराब पीने का पाठ पढ़ाया जाएगा। छात्रों को यह साप्ताहिक क्लास दी जाएगी, जिसमें उन्हें यह बताया जाएगा कि शराब कितनी मात्रा में पी जानी चाहिए। इस क्लास में छह साल तक की उम्र के बच्चों को शामिल किया जाएगा। इस क्लास में बताया जाएगा कि आखिर हमें कितनी शराब पीनी चाहिए ताकी हम बेकाबू न होने पाएं। इस तरह की पढ़ाई के लिए संसद में एक विधेयक पेश किया जाना है, जिसमें इटली की संस्कृति को बचाए रखने पर जोर



दिया जाएगा। इस बिल का नॉर्दन इटली के ब्रेस्सिया में पहले ही अनुपालन हो रहा है। यहां बच्चों के देश में शराब के योगदान के बारे में बताया जा रहा है। द टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसकी शुरुआत स्थानीय राजनीतिज्ञों ने की है। इस साल गर्मियों से ही इसे पढ़ाना शुरू कर दिया जाएगा। इस संसदीय विधेयक को लाने की योजना बनाने वाले डारियो स्टेफानो ने कहा कि बच्चों को इस बारे में बताया जाएगा कि देश में शराब का क्या योगदान है और इसे कैसे बनाया जाता है।

बेकार नहीं हैं नींबू के छिलके

नींबू के फायदों के बारे में तो हम सब जानते हैं। लेकिन, क्या आप नींबू के छिलकों के फायदों और पोषक गुणों के बारे में जानते हैं। नींबू के छिलके में कैल्शियम और विटामिन सी होता है, जो हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। यह हड्डियों से जुड़ीं बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, रहेयूमेटॉयड अर्थराइटिस और इंफ्लेमेटरी पोलीअर्थराइटिस से भी बचाने में मदद करता है।



शरीर में ज्यादा आयरन से होते हैं ये रोग



कई बार लोग शरीर में कैल्शियम की कमी होने से बहुत अधिक मात्रा में आयरन का सेवन करने लगते हैं। जिससे शरीर में आयरन अधिक की मात्रा हो जाती है। क्या आपको मालुम है शरीर में आयरन की अती होने से शरीर खतरनाक बीमारियों का घर बन जाता है। इन खतरनाक बीमारियों के बारे में जानते हैं।

आयरन की अधिकता

शरीर में आयरन की कमी से बाल झड़ने व एनीमिया रोग की समस्या पैदा होती है। इसी कारण आयरन शरीर के लिए काफी जरूरी माना जाता है। एक इंसान को फिट और हेल्दी रहने के लिए रोज 21 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए। लेकिन क्या आपको मालुम है की शरीर में आयरन की मात्रा अधिक होने से भी कई सारी बीमारियां होती हैं।

दिल की बीमारियां

आयरन की अधिकता का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है और इससे दिल की अनेक तरह की समस्या उत्पन्न होती है। शरीर में आयरन की अधिकता होने से दिल के टिश्यू ऑक्सीडेटिव डैमेज हो जाते हैं। कई बार टिश्यू ऑक्सीडेटिव डैमेज इतना हो जाता है कि हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है।

लीवर डैमेज



कई बार आयरन की अती होने से लीवर भी डैमेज हो जाता है। किसी इंसान के शरीर में अगर आयरन की मात्रा बढ़ती है तो लीवर में प्रेशर बढ़ने लगता है जिससे लीवर के टिश्यू का ऑक्सीकरण सही से नहीं हो पाता और वो डैमेज होने लगते हैं। कई बार लीवर के कैंसर का खतरा भी उत्पन्न हो जाता है।

कैंसर

शरीर में आयरन की अधिक मात्रा होने से कई बार कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसा शरीर में आयरन सही से फिल्टर नहीं होने के कारण होता है। जिसकी वजह से शरीर में टॉक्सिन और फ्री रैडिकल बढ़ जाते हैं, जो कि कैंसर का कारक होते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस

आयरन की कमी से हड्डियां कमजोर होती हैं तो आयरन की अती से भी हड्डियों के कमजोर होने की संभावना रहती है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार, शरीर में आयरन की अधिक मात्रा से हड्डियों के गठन और कैल्शियम के अवशोषण की हड्डी से जड़े ऑक्सीडेशन व एंटी-ऑक्सीडेशन तंत्र में असंतुलन की स्थिति पैदा होती है। इस स्थिति में शरीर का लंबे समय तक रहने से ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हो जाती है।

बुढ़ापे में बीमारियों से बचाएगा टीकाकरण



बच्चे के जन्म लेने के बाद से ही उसे बीमारियों से बचाए रखने के लिए पूरे साल न जाने कितने टीके लगवाए जाते हैं। ताकि साल भर वे हेल्दी और स्वस्थ रह सके। लेकिन क्या आप जानते हैं, ऐसा बुजुर्गों के लिए भी जरूरी हो गया है। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आप खुद या आपके माता-पिता रोग मुक्त जीवन जीएं, तो उनके लिए टीकाकरण जरूरी है।

यह टीका हर साल होने वाली जानलेवा बीमारियों से बचाने में बेहद मदद करता है। आज भी 50 फीसदी वरिष्ठ नागरिकों को इस टीकाकरण और इसे न लगवाने पर होने वाले नुकसानों के बारे में जानकारी नहीं है। आप जो बोते हैं, वही काटते हैं- यह एक पुरानी कहावत है। यह हमारी सेहत पर भी उतनी ही लागू होती है। जब हम युवा होते हैं तो अपनी सेहत का ध्यान न रखने से होने वाले नुकसानों को नजरअंदाज कर देते हैं। और जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो हमें बहुत सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। उस वक्त हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। कई बार हम यह भी सोचते हैं कि एक बार टीका लेना काफी है। लेकिन जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है इस टीकाकरण का असर कम होने लगता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती जाती है। इस वजह से युवाओं के मुकाबले बड़ी उम्र वालों में रोकी जा सकने वाली बीमारियां होने की संभावना ज्यादा हो जाती है।

उन्होंने कहा, अगर वह पहले से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे कि दिल की बीमारियां, हाईपरटेंशन, डायबिटीज या ऑब्स्ट्रक्टिव प्लमनरी डिजीज से जुड़ जाती हैं तो यह जानलेवा साबित हो सकता हैं। आम तौर पर होने वाली बीमारियां फ्लू, हैपेटाइटिस-ए, हैपेटाइटिस-बी होती हैं। इन हालतों को देखते हुए कुछ टीका 65 साल की उम्र के बाद देनी जरूरी हो जाता है। बच्चों को चाहिए कि उनके अभिभावक यह टीका लें ताकि वह लंबी और सेहतमंद जिंदगी जी सकें।

इन बातों का रखें ध्यान

- फ्लू वैक्सीन 6 महीने या उससे बड़े सभी व्यक्तियों को देने की सलाह दी जाती है।
- निमूनिया वैक्सीन 65 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों को दी जानी चाहिए।
- टेटनस टॉक्साईड हर 10 साल बाद देते रहना चाहिए।
- अगर पहले ना लगी हो तो सभी को हैपेटाइटिस-बी की वैक्सीन देनी चाहिए।
- 60 साल या उससे ज्यादा उम्र वाले को डायबिटीज है तो उन्हें हैपेटाइटिस-बी की वैक्सीन देनी चाहिए। आगे चल कर ब्लड ग्लूकोज की मॉनीटरिंग की अधिक आवश्यकता के लिए यह वैक्सीन लगवाने की सलाह दी जाती है।



जानिए प्लास्टिक बोतल के नीचे लिखे नंबर का मतलब

अगर आप किसी भी प्लास्टिक कंटेनर, वॉटर बॉटल्स या प्लास्टिक पैकेज्ड प्रोडक्ट को उल्टा करेंगी तो आप पाएंगी कि नीचे एक छोटा सा ट्राइएंगल है और इसमें एक नंबर या अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखे होते हैं। दरअसल यह नंबर या अक्षर उन कैमिकल्स के बारे में बताता है, जो उस विशेष प्लास्टिक प्रॉडक्ट को बनाने में इस्तेमाल हुआ है...

पॉलीएथीलीन टेरेफथैलेट: यह प्लास्टिक सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। आप इसे कोल्ड ड्रिंक या वॉटर वॉटल्स के नीचे पाएंगी। यह प्लास्टिक केवल एक बार इस्तेमाल के लिए ही बनी होती है। पैट प्लास्टिक को दोबारा इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती क्योंकि अगर आप इसे साबुन या डिटर्जेंट की मदद से साफ करती हैं या अधिक तापमान पर रखती हैं तो संभव है कि प्लास्टिक में मिले केमिकल्स पानी के साथ मिल जाएं। ये केमिकल्स हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं होते। इन बोतलों को दोबारा इस्तेमाल न करें।

हाई डेंसिटी पॉलीएथीलीन: यह प्लास्टिक पेट्रोलियम से बनी होती है और ज्यादातर प्लास्टिक बैग, ऑयल बॉटल्स, जूस बॉटल्स, मक्खन या योगर्ट टब्स बनाने में इस्तेमाल होती है। यह प्लास्टिक हार्ड और अपारदर्शी होती है और उच्च तापमान पर भी अप्रभावित रहती है। यह हानिकारक केमिकल्स नहीं निकालती और दोबारा इस्तेमाल की जा सकती है। इस प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग दर सभी प्लास्टिक में सबसे ज्यादा है।

विनायल या पीवीसी : यह थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है और अक्सर डिटर्जेंट और विंडो क्लीनर बॉटल्स में पाया जाता है। जिन बॉटल्स पर पीवीसी या 3वी लिखा होता है, वे बहुत नुकसान करती हैं और आपको उन्हें इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ये बॉटल्स हानिकारक केमिकल्स निकालती हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इस प्लास्टिक को रीसाइकल भी नहीं किया जाता।



लो डेंसिटी पॉलीएथीलीन: यह थर्मोप्लास्टिक भी पेट्रोलियम से बनी होती है और या तो अपारदर्शी होती है या फिर पारभासी। इसका इस्तेमाल शॉपिंग बैग्स, फूड रैप्स और ब्रेड बैग्स बनाने में होता है। यह प्लास्टिक हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक नहीं है क्योंकि इससे कोई हानिकारक पदार्थ या केमिकल नहीं निकलता।

पॉलीप्रॉपाइलीन: पॉलीप्रॉपाइलीन या पीपी थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है। यह कठोर, मजबूत होता है और इसकी प्रतिरोधक क्षमता भी ज्यादा होती है। इसलिए इसे सबसे सुरक्षित प्लास्टिक माना गया है। पीपी साइन दवाइयों की शीशी, केचप या अन्य दबाने वाली बॉटल्स में पाया जा सकता है। इस प्लास्टिक को रीसाइकल भी किया जाता है।

पॉलीस्टाइरीन: पी एस भी एक पेट्रोलियम आधारित प्लास्टिक है, जिसे इंसुलेशन और पैकेजिंग मटैरियल्स में इस्तेमाल किया जाता है। आप इस साइन को डिस्पोजेबल कंटेनर्स या एग कार्टन्स में देख सकती हैं। प्लास्टिक के इस रूप को रीसाइकल करना बहुत ही मुश्किल है।

पॉलीकार्बोनेट: यह प्लास्टिक सबसे ज्यादा खतरनाक होता है क्योंकि यह बीपीए केमिकल्स छोड़ता है। इसका इस्तेमाल फूड कंटेनर्स और तीन से पांच गैलन की वॉटर बॉटल्स बनाने में होता है। यह रीसाइकल भी नहीं किया जा सकता।

लौकी के जूस में शहद मिलाएं और फिर देखिए जादू

क्या आप जानते हैं कि लौकी के जूस में शहद मिला कर पीने से आपको 7 तरह की बीमारियों से निजात मिल सकती है? इस जूस को बनाना काफी आसान है, बस ताजी लौकी के कुछ फ्रेश पीस को ब्लेंडर में डालिए और उसके साथ 1 चम्मच शहद मिलाइए। फिर इसे ब्लेंड कीजिए और यह जूस पीने के लिए तैयार हो जाएगा। जूस बनाने से पहले लौकी के छोटे पीस को जरुर चखना चाहिए, अगर यह तीखी है तो इसका जूस ना बनाएं। तो आइए अब जानते हैं इसके 7 स्वास्थ्य लाभ क्या हैं-

पाचन शक्ति बढ़ाए- अगर रह रह कर आपको एसिडिटी और कब्ज की समस्या रहती है, तो लौकी का जूस पिएं। इससे पेट में एसिड का लेवल न्यूट्रलाइज हो जाएगा और पेट की सारी समस्या दूर हो जाएगी। इस जूस को पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है और फैट जल्दी बर्न होता है।

यूटीआई ठीक करे- मूत्र पथ संक्रमण की समस्या इस जूस के नियमित सेवन से ठीक होती है। यह यूरीने से एसिड के लेवल को कम करता है। इसे पीने से नसें चौड़ी हो जाती हैं जिससे शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है।

प्रेगनेंसी में जरूर पिएं- लौकी तथा शहद, दोंनो ही चीजों में विटामिन, कैल्शियम और फोलेट पाए जाते हैं, जिससे हर प्रेगनेंट महिला को पीना चाहिए। **किसी भी उपाय को करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।**



सही संतुलन, अनुपात, रंग और स्वाद का ध्यान रखना जरूरी

बिना सोचे-समझे न खाएं सलाद

हम सब जानते हैं कि एक कटोरी भर सलाद हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत बढ़िया होता है, परंतु सही संतुलन, अनुपात, रंग और स्वाद कैसे प्राप्त किया जाए यह एक प्रमुख प्रश्न है जो हमें भयभीत करता रहता है। इसलिए जरूरी ये है कि हम सलाद का सेवन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसे किस अनुपात में खाना है। आज हम आपको बताते हैं सलाद के बारे में कुछ बुनियादी बातें।



मीठे के स्थान पर कर सकते हैं सेवन

बहस लगातार जारी है कि आपको सलाद का सेवन कब करना चाहिए। भोजन से पहले या बाद में। यदि मुख्य भोजन के बाद सलाद का सेवन किया जाए तो ये फायदेमंद होता है। इसके अलावा मीठे के स्थान पर सलाद का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर होता है।

इससे बनेगी रुचि

काबुली चने तथा अन्य अंकुरित खाद्यों को एक तरफ रखकर प्रति सप्ताह सलाद में कुछ नया शामिल करें। ताजा जड़ी-बूटियों, चुकंदर के टुकड़ों, एवेकाडो, कम फैट वाला, गोटा चीज या ताकत से भरपूर कद्दू के बीजों का सेवन करें। ये न सिर्फ आपकी सलाद में रुचि बनाए रखेंगे, बल्कि कुछ अलग पोषक तत्व और स्वाद भी आपके सलाद में शामिल करेंगे।

इसमें विटामिंस ज्यादा

हरे रंग के सभी सलाद स्वास्थ्यवर्धक नहीं होते। आइसबर्ग लैट्यूस सलाद की प्लेट में आकर्षक और कुरकुरा तो लगता है, परंतु पोषण के मामले में यह बहुत बढ़िया नहीं होता। इसकी बजाय गहरे रंग वाले पत्तों का सेवन करें जैसे पालक, राकेट लीव्स, रैड एंड ग्रीन लीफ, तथा रोमेन लैट्यूस को सलाद में शामिल करें। इनमें विटामिन्स मिनरल्स अधिक मात्रा में मौजूद होते हैं।

क्रंच से बचें...

क्रिस्पी नूडल्स या क्रन्च (ब्रैड के कुरमुरे टुकड़े) को अपने थाई या एशियाई सलाद चाहे आपको अत्यधिक स्वादिष्ट लगता हो, परंतु यह आपकी कमर के लिए ठीक नहीं है। क्रूटन्स को प्रोसैस्ड व्हाइट ब्रेड से तैयार किया जाता है जिसका अर्थ है खाली कार्बोहाइड्रेट्स तथा कैलोरीज की अधिकता जिस प्रकार का क्रंच आप चाहते हैं उसके लिए अखरोट या सिंघाड़ों का सेवन बढ़िया रहता है।

रेसिपी



कोर्न करी

सामग्री

11/2 कप उबले हुए मीठी मकई के दानें, 2 स्पून तेल, 2 दालचीनी टुकड़ा, 2 लौंग, 2 इलायची, 1 स्पून कोर्नफ्लार , 2 कप नारीयल दुध मे घुला, नमक स्वादअनुसार। **हरा पेस्ट बनाने के लिये:** 11/2 कप हरा धनिया, 1/4 कप प्याज, 2 स्पून ताज़ा कसा हुआ नारीयल, 7 लहसुन की कलियां, 2 अदरक के टुकड़े, 4 स्पून खसखस, 6 हरी मिर्च,1 स्पून नींबू का रस,

परोसने के लिए: रोटी/पराठे,स्टीम्ड चावल

विधि

कढ़ाई मे तेल गरम करें, तैयार हरा पेस्ट, दालचीनी, लौंग और इलायची डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट भूने। मीठे मकई के दाने डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए, 1 मिनट तक पकाएं। कोर्नफ्लार-नारीयल के दुध का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए, 5 से 6 मिनट तक पकाएं। रोटी या पराठे और चावल के साथ गरमा गरम परोसें।



उड़द दाल विथ पनीर

सामग्री

3/4 कप उड़द दाल, 1/2 कप छोटे पनीर के टुकड़े, 1/2 टी-स्पून हल्दी, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/2 कप बारीक कटा हुआ टमाटर, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक गहरे बर्तन में उड़द दाल को पर्याप्त पानी का उपयोग करते हुए 1 घंटा पहले भिगोए और अच्छे से छान लीजिए। प्रेशर कुकर में उड़द दाल, 1/4 टी-स्पून हल्दी, नमक और 1 1/4 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और 1 सिटी आने तक प्रेशर कुकर में पकाइए। ढककन खोलने से पहले भांप को निकल जाने दीजिए। छानिए और एक तरफ रख दीजिए। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करिए, उसमे पनीर डालिए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट या पनीर का हल्का भूरा रंग होने तक भूनिए। आंच पर से हटाए और एक तरफ रख दीजिए। उसी कढ़ाई में जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, उसमे प्याज़ डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे टमाटर, हरी मिर्च, लाल मिर्च का पाउडर, बचा हुआ 1/4 टी-स्पून हल्दी, 2 टेबल-स्पून पानी और नमक डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे पकाई हुई उड़द दाल डालकर, हल्के से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट पकाइए। उसमे भुना हुआ पनीर और धनिया डालकर, हल्के से मिलाइए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट ओर, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

ऑफिस में तनाव व काम के दबाव से मुक्ति पाएं

अच्छी व छोटी-सी नींद तनाव व काम के दबाव से मुक्ति दिलाती है क्योंकि नींद के दौरान क्षतिग्रस्त कोशिकाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं। यदि आप काम के बीच थोड़ी-सी नींद लेते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और बुद्धि में भी बढ़ोतरी होती है।

अक्सर आफिस के किसी कर्मचारी को सोते देख उसके बॉस की भौंहें तन जाती हैं और वह उसकी मेज पर जोर से हाथ मारते हैं ताकि कर्मचारी जागकर अपने काम पर लग सकें। ऐसे लोग बॉस की नजरों में लापरवाह होते हैं पर ऐसा जरूरी नहीं। न्यूयार्क में हुए नए शोध बताते हैं कि यदि आप काम के बीच थोड़ी-सी नींद लेते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और बुद्धि में भी बढ़ोतरी होती है। अध्ययन में स्वैच्छिक कर्मचारियों को 2 वर्गों में बांटा गया व उन्हें शब्द दिए गए। थोड़ी देर बाद एक वर्ग ने 47 मिनट की नींद ली व दूसरे ग्रुप ने पत्रिका पढ़ कर व फिल्में देख कर यह समय व्यतीत किया। जब 6 घंटों बाद उन दोनों का दोबारा टेस्ट लिया गया तो पाया गया कि जिन लोगों ने नींद ली थी उन्होंने महत्वपूर्ण तथ्य आसानी से याद कर लिए थे। दूसरे वर्ग की बजाय उन्होंने 15 प्रतिशत अधिक शब्दों को याद किया। शोधकर्ताओं के मुताबिक अच्छी व छोटी-सी नींद तनाव व काम के दबाव से मुक्ति दिलाती है क्योंकि नींद के दौरान क्षतिग्रस्त कोशिकाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं इसलिए व्यक्ति की याद करने की क्षमता पुनः तीव्र हो जाती है।



मैनेजमैंट टिप्स: बड़े विचारों को सरलता से पकड़ें...

अच्छे विचारों को लिखने और उनसे फायदा उठाने के लिए अपनी स्मृति या ब्लैकबेरी पर भरोसा न करें। पुराने जमाने के लोगों की तरह 3 गुणा 5 के इंडैक्स काड़्स का उपयोग करें। उन्हें अपने साथ जेब में रखें और जब भी कोई अच्छा विचार सुनें तो उसे एक कार्ड पर लिख लें। भौतिक रूप से कार्ड साथ रखने का नतीजा होगा कि आप हर शाम को उन पर विचार करने के लिए विवश हो जाएंगे। इसके अलावा विचारों को लिखने के कार्य से उन्हें याद रखने और आत्मसात करने में भी मदद मिलती है। साथ ही जेब में खाली कार्ड होने से आपको हमेशा याद रहेगा कि आपको नए विचारों की तलाश करनी है और सबसे महत्वपूर्ण बात, सुनना है।

संपादकीय

संस्कृति रोकेगी प्रदूषण

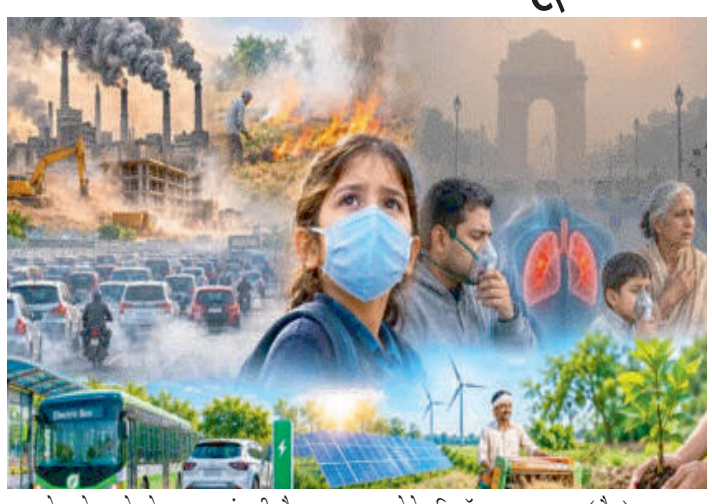
दिवाली से पहले ही दिल्ली का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंचना गंभीर चिंता का विषय है। कल्पना करना कठिन नहीं है कि दिवाली पर पटाखे छोड़े जाने के बाद क्या स्थिति होगी? कई स्थानों पर एक्यूआई का चार सौ पार कर जाना हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भयावह संकट ही है। इन हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करने के बावजूद कहा है कि पुराने उपाय नाकाफी हैं। हम बचाव की बात तब कर रहे हैं जब एक्यूआई चार सौ पार कर गया है। कोर्ट ने बार-बार कहा कि इस प्रदूषण को कम करने के लिये सांस्कृतिक बदलाव बड़ी भूमिका निभा सकता है। हम जश्न मनाएं लेकिन पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ। इसके लिये लोगों को जागरूक करने की जरूरत होगी। अदालत में चिंता जतायी गई कि दिवाली के पास वाहनों के बंपर-टू-बंपर चलने, जाम लगने व बढ़ती आवाजाही से प्रदूषण की समस्या सामने आती हैं। उसके मूल में हमारे दिखावे की संस्कृति भी है। ये जो गिफ्ट देने की संस्कृति है, उसे हमने स्टेटस सिंबल बना दिया है। जिससे सड़कों में अप्रत्याशित रूप से वाहनों की आवाजाही होती है। इस प्रवृत्ति को रोकने और सांस्कृतिक बदलाव से ही समस्या का समाधान संभव है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण के मद्देनजर अदालती आदेश है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई जिले शामिल हैं, में सात से आठ नवंबर को सुबह छह से सात और रात को आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे छोड़ने की अनुमति होगी। साथ ही अस्पतालों- स्कूलों के तीन सौ मीटर दायरे में रोक लगाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इतने ईमानदार हैं कि इस अवधि में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाएंगे? क्या दुकानदार ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचेंगे? अदालत में बताया गया कि दिल्ली में प्रदूषण की ऐसी हालत है कि हवा में सांस लेना तीस सिगरेट पीने के बराबर है। दिल्ली में घातक प्रदूषण और दिवाली के मद्देनजर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाली बैंच ने जहां गहरे तंज किए हैं, वहीं मार्गदर्शक सलाह भी दी है। बाकायदा सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी.मोहना की पीठ ने कहा कि उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली-एनसीआर के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता अमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण का स्तर इतना गंभीर है कि हमारी आवाज बैठ रही है। अदालत ने बल दिया कि दिवाली मनाने के साथ-साथ प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। कोर्ट ने स्वीकारा कि सिर्फ पाबंदियां लगाने से समस्या हल नहीं होगी बल्कि इससे नियमों के उल्लंघन के मामले और बढ़ सकते हैं। दिल्ली के लोग बहुत टेलेंटेड हैं, वे नये रास्ते निकाल लेते हैं। सीजेआई ने कहा कि हमें त्योहार की पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों पर फिर से गौर करने की जरूरत है। त्योहार मनाते समय हमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी होना चाहिए। वहीं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि यह मुद्दा त्योहारों के व्यवसायीकरण से भी जुड़ा है। दिवाली के संदर्भ में मुख्य न्यायाधीश ने एक संवेदनशील टिप्पणी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लेकर भी है। उन्होंने चेताया कि इस वर्ग को प्रदूषण फैलाने के लिये जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह वर्ग प्रदूषण का सबसे ज्यादा शिकार होता है। इनके लिये दिवाली का त्योहार जीविका की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होता है। खासकर उन लोगों के लिये जिनकी आजीविका इस मौसमी काम व त्योहार पर निर्भर है। बल्कि सड़कों पर बढ़ती वाहनों की आवाजाही से इनका काम-धंधा बुरी तरह प्रभावित होता है। सही मायने में प्रदूषण वे लोग फैलाते हैं, जो इसके घातक प्रभाव के असर का खर्च उठा सकते हैं। एक तरह से अदालत ने दिल्ली को नसीहत दी कि वह अपने प्रदूषण की जिम्मेदारी स्वीकार करे। दिल्ली सरकार भी साल भर चलने वाले संकट के लिये मौसमी प्रदूषण, पराली व पटाखों को वजह बताकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आखिर दिल्ली में आपातकाल जैसी स्थिति क्यों पैदा हुई? खुले में काम करने वालों और संवेदनशील बच्चों को सुरक्षा कौन देगा।

कल्पना करना कठिन नहीं है कि दिवाली पर पटाखे छोड़े जाने के बाद क्या स्थिति होगी? कई स्थानों पर एक्यूआई का चार सौ पार कर जाना हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भयावह संकट ही है। इन हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करने के बावजूद कहा है कि पुराने उपाय नाकाफी हैं। हम बचाव की बात तब कर रहे हैं जब एक्यूआई चार सौ पार कर गया है। कोर्ट ने बार-बार कहा कि इस प्रदूषण को कम करने के लिये सांस्कृतिक बदलाव बड़ी भूमिका निभा सकता है। हम जश्न मनाएं लेकिन पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ। इसके लिये लोगों को जागरूक करने की जरूरत होगी। अदालत में चिंता जतायी गई कि दिवाली के पास वाहनों के बंपर-टू-बंपर चलने, जाम लगने व बढ़ती आवाजाही से प्रदूषण की समस्या सामने आती हैं। उसके मूल में हमारे दिखावे की संस्कृति भी है। ये जो गिफ्ट देने की संस्कृति है, उसे हमने स्टेटस सिंबल बना दिया है। जिससे सड़कों में अप्रत्याशित रूप से वाहनों की आवाजाही होती है। इस प्रवृत्ति को रोकने और सांस्कृतिक बदलाव से ही समस्या का समाधान संभव है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण के मद्देनजर अदालती आदेश है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई जिले शामिल हैं, में सात से आठ नवंबर को सुबह छह से सात और रात को आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे छोड़ने की अनुमति होगी। साथ ही अस्पतालों- स्कूलों के तीन सौ मीटर दायरे में रोक लगाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इतने ईमानदार हैं कि इस अवधि में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाएंगे? क्या दुकानदार ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचेंगे? अदालत में बताया गया कि दिल्ली में प्रदूषण की ऐसी हालत है कि हवा में सांस लेना तीस सिगरेट पीने के बराबर है। दिल्ली में घातक प्रदूषण और दिवाली के मद्देनजर स्वत: संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाली बैंच ने जहां गहरे तंज किए हैं, वहीं मार्गदर्शक सलाह भी दी है।

सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं

जानलेवा होती हवा: सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है।



सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं। सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पत्तियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए। साथ ही, वायु गुणवत्ता के आंकड़े पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को प्रदूषण के स्तर के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी जाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग, किसान और नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। चीन के बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण घटाने के अनुभव यह बताते हैं कि निरंतर नीतिगत प्रयास, स्वच्छ परिवहन, औद्योगिक नियंत्रण और प्रभावी निगरानी से उल्लेखनीय सुधार संभव है। भारत को भी अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे उपायों को दृढ़ता से लागू करना होगा। हर साल सर्दियों में प्रदूषण से जूझना और फिर मौसम बदलने पर समस्या को भूल जाना किसी भी संवेदनशील समाज की नियति नहीं हो सकती। स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए प्रदूषण का मुकाबला संकट गहराने के बाद नहीं, उससे पहले करना होगा। सरकार की सक्रियता, प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जागरूकता ही वह त्रिकोण है, जिसके आधार पर हम दमघोंटू हवा से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

देश दुनिया से

भारत को पुनः वैभवशाली बनाने हेतु संघ द्वारा प्रयासों में तेजी लाई जा रही

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिंहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब



उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयसेवकों की श्रृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं। संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है - सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण। इन गतिविधियों के माध्यम से भी समाज को संघ के साथ जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इस बीच, पंच परिवर्तन (स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्य) के प्रयोग भी संघ द्वारा चलाए गए ताकि समाज के आचरण में परिवर्तन लाया जा सके। विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भी संघ पिछले 100 वर्षों के दौरान निरंतर आगे बढ़ता रहा क्योंकि संघ द्वारा शाखा पद्धति के रूप में एक अभिनव पद्धति का निर्माण एवं प्रयोग किया था। दूसरे, संघ व्यक्ति निरपेक्षता की नीति पर चलता आया है, अर्थात, स्वयसेवकों ने अपने आप को संगठन से सदैव नीचे रखा है। आज संघ की एक व्यापक संगठनात्मक रचना खड़ी हो गई है। संघ का लक्ष्य अपने संगठन को बड़ा बनाने का नहीं है बल्कि अपने संगठन को समाजव्यापी बनाने का लक्ष्य लेकर संघ आगे बढ़ रहा है। हिंदू समाज बड़ा बने एवं भारत एक बार पुनः परम वैभव की स्थिति पर आ जाए, यही संघ का मुख्य ध्येय है। भारतीय समाज पूर्ण रूप से एक रस हो जाए, इससे भी संघ की स्थापना के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है। संघ ने 100 वर्षों की एक लम्बी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर ली है परंतु अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। इस दृष्टि से आगे आने वाले समय में संघ के स्वयसेवकों के लिए करणीय कार्य क्या हो सकते हैं, इसका वर्णन हाल ही में संघ के माननीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी द्वारा प्रदत्त एक उदबोधन में मिलता है। इन करणीय कार्यों को तेजी से सम्पन्न करने की आज आवश्यकता है क्योंकि इस दृष्टि से संघ की प्रतिस्पर्धा आज किसी अन्य संगठन के साथ नहीं बल्कि समय के साथ है। राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया चलाने वाली शाखाओं का विस्तार तेजी से करने की आज आवश्यकता है। आज पूरे देश में लगभग 72.42 प्रतिशत बस्तियों एवं 69 प्रतिशत मंडलों में संघ की शाखाएं एवं साप्ताहिक मिलन चलाए जा रहे है। इसका आशय यह है कि देश में लगभग 30 प्रतिशत बस्तियां एवं 31 प्रतिशत मंडल अभी भी संघ कार्य विहीन हैं। अतः प्रथम लक्ष्य है कि तेज गति से उक्त शेष बस्तियों एवं मंडलों में शाखाएं खड़ी हो जाए। राम मंदिर निधि संकलन अभियान के समय लगभग 14 करोड़ परिवारों से सम्पर्क किया गया था, एक परिवार में यदि 5 सदस्य माने जाय तो लगभग 70 करोड़ नागरिकों के साथ उस समय सम्पर्क हुआ था।

आप का नज़रिया

लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ

भारतीय राजनीति इस समय एक दिलचस्प और निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिख रही है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा शुरू किया गया 'लोकतंत्र बचाओ- अराजकता हटाओ' अभियान है, जिसके अंतर्गत देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक जनसमूह सड़कों पर उतर रहा है। दूसरी तरफ विपक्ष की वे कोशिशें हैं, जो मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श बनाने के संघर्ष में अपनों के ही अंतर्विरोधों से घिरती जा रही हैं। हैदराबाद जैसे क्षेत्र में, जिसे पारंपरिक रूप से गैर-भाजपा राजनीति का गढ़ माना जाता रहा है, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली में उमड़ी भीड़ केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम भर नहीं है; यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि लोकतंत्र और सुव्यवस्था के सवाल पर जनमानस किस दिशा में सोच रहा है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार से लेकर दक्षिण के राज्यों तक होने वाली इन रैलियों में उमड़ता जनसैलाब यह स्थापित करता है कि जनता स्थिरता, पारदर्शी शासन और स्पष्ट नीतियों के पक्ष में खड़ी है। राजनीतिक संदेश साफ है कि आंदोलन या विरोध के नाम पर व्यवस्था में अवरोध पैदा करने की राजनीति को आम नागरिक सहजता से स्वीकार करने को तैयार नहीं है। यदि किसी राजनीतिक दल को लगता है कि मात्र आक्रामक बयानों और कृत्रिम जमावड़े से जनादेश की दिशा बदली जा सकती है, तो यह उसका भ्रम ही कहा जाएगा। विपक्षी खेमे, विशेषकर कांग्रेस के लिए यह समय आत्ममंथन का है। दिल्ली में विपक्ष द्वारा आयोजित प्रदर्शनों और भाजपा के अभियानों में जनभागीदारी का अंतर स्वतः बहुत कुछ स्पष्ट कर देता है। चिंता का विषय यह नहीं है कि रैलियों का आकार क्या है, बल्कि यह है कि विपक्ष के भीतर की आंतरिक स्वीकार्यता किस स्तर पर पहुंच गई है। राहुल गांधी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों में जब संगठन के अपने ही युवा कार्यकर्ता अनुपस्थित रहते हैं, तो नेतृत्व को जमीनी हकीकत का भान होना चाहिए। अनुपस्थित रहे युवा कार्यकर्ताओं को अनुशासनात्मक कार्रवाई के नाम पर पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा देना समाधान नहीं, बल्कि समस्या से मुंह मोड़ने जैसा है। सवाल यह उठता है कि क्या कारण है कि कांग्रेस का अपना कैडर 'वोट चोरी' के कथित आरोपों और एसआईआर जैसे तकनीकी व प्रशासनिक मुद्दों पर सड़कों पर उतरने को तैयार नहीं हुआ? क्या जमीन पर काम करने वाला कार्यकर्ता यह महसूस कर रहा है कि इन अभियानों में ठोस तर्कों की कमी है? इससे भी बड़ा अंतर्विरोध कांग्रेस के आंतरिक रुख में नजर आता है। एक तरफ जहां दिल्ली में कुछ मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख अपनाया जाता है, वहीं केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों से पार्टी के भीतर से ही अलग सुर सुनाई पड़ते हैं। जब उन राज्यों के जिम्मेदार नेता व्यवस्था और प्रक्रियाओं के पक्ष में बयान देते हैं, तब पार्टी नेतृत्व की चुप्पी सवाल खड़े करती है। छोटे कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई का चाबुक चलाना और शीर्ष नेताओं के भिन्न विचारों पर आंखें मूंद लेना, नेतृत्व के दोहरे मापदंड को ही उजागर करता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अपरिहार्य है, लेकिन यह भूमिका तभी प्रभावी हो सकती है जब उठाये गए मुद्दे जनता की वास्तविक चिंताओं से जुड़े हों और संगठन में आंतरिक विश्वास कायम हो। जब तक कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल जनता के इस मूक किंतु स्पष्ट संदेश को नहीं समझेंगे कि देश अराजकता नहीं बल्कि सकारात्मक नेतृत्व चाहता है, तब तक केवल विरोध की राजनीति से जनता का विश्वास जीतना संभव नहीं होगा।

देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक जनसमूह सड़कों पर उतर रहा है। दूसरी तरफ विपक्ष की वे कोशिशें हैं, जो मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श बनाने के संघर्ष में अपनों के ही अंतर्विरोधों से घिरती जा रही हैं। हैदराबाद जैसे क्षेत्र में, जिसे पारंपरिक रूप से गैर-भाजपा राजनीति का गढ़ माना जाता रहा है, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली में उमड़ी भीड़ केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम भर नहीं है; यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि लोकतंत्र और सुव्यवस्था के सवाल पर जनमानस किस दिशा में सोच रहा है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार से लेकर दक्षिण के राज्यों तक होने वाली इन रैलियों में उमड़ता जनसैलाब यह स्थापित करता है कि जनता स्थिरता, पारदर्शी शासन और स्पष्ट नीतियों के पक्ष में खड़ी है। राजनीतिक संदेश साफ है कि आंदोलन या विरोध के नाम पर व्यवस्था में अवरोध पैदा करने की राजनीति को आम नागरिक सहजता से स्वीकार करने को तैयार नहीं है। यदि किसी राजनीतिक दल को लगता है कि मात्र आक्रामक बयानों और कृत्रिम जमावड़े से जनादेश की दिशा बदली जा सकती है, तो यह उसका भ्रम ही कहा जाएगा। विपक्षी खेमे, विशेषकर कांग्रेस के लिए यह समय आत्ममंथन का है। दिल्ली में विपक्ष द्वारा आयोजित प्रदर्शनों और भाजपा के अभियानों में जनभागीदारी का अंतर स्वत: बहुत कुछ स्पष्ट कर देता है। चिंता का विषय यह नहीं है कि रैलियों का आकार क्या है, बल्कि यह है कि विपक्ष के भीतर की आंतरिक स्वीकार्यता किस स्तर पर पहुंच गई है। हुल गांधी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों में जब संगठन के अपने ही युवा कार्यकर्ता अनुपस्थित रहते हैं, तो नेतृत्व को जमीनी हकीकत का भान होना चाहिए। अनुपस्थित रहे युवा कार्यकर्ताओं को अनुशासनात्मक कार्रवाई के नाम पर पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा देना समाधान नहीं, बल्कि समस्या से मुंह मोड़ने जैसा है।

कुछ अलग

जीत की नैतिकता

मालवा साम्राज्य की महारानी अहिल्याबाई होल्कर अपनी न्यायप्रियता और नैतिक आचरण के लिए प्रसिद्ध थीं। साल 1737 में जब उनके पति खांडेराव होल्कर ने एक युद्ध में हैदराबाद के निजाम को हराकर विजय प्राप्त की तो एक विशाल युद्ध-राशि उनके हाथ लगी जिसे उन्होंने अपने पास रख लिया। अहिल्याबाई को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने वह पूरी धनराशि उठाकर राजकोष में जमा करा दी। इस पर नाराज़ होकर खांडेराव बोले, 'मेरे नेतृत्व और पुरुषार्थ के चलते युद्ध में हमारी विजय हुई। इसलिए युद्ध में हासिल हुई धनराशि पर मेरा ही हक बनता है, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचकर तुमने उस राशि को राजकोष में जमा करा दिया?' अहिल्याबाई ने बड़े शांत स्वर में उत्तर दिया, 'जब आप युद्ध में लड़ने गए थे तो अकेले नहीं गए थे, मालवा की सेना भी आपके साथ गई थी।

दृष्टि कोण

पद पाने के लिए समाजसेवा का बढ़ता ड्रामा

समाजसेवा कभी निस्वार्थ भाव से समाज के दुख-दर्द बांटने, जरूरतमंदों की मदद करने और सामाजिक बदलाव लाने का माध्यम हुआ करती थी। लेकिन बदलते दौर में समाजसेवा की परिभाषा भी कहीं-कहीं बदलती दिखाई दे रही है। अब सेवा से ज्यादा उसका प्रचार, जरूरतमंदों की मदद से ज्यादा कैमरों की मौजूदगी और सामाजिक जिम्मेदारी से ज्यादा पद-प्रतिष्ठा हासिल करने की लालसा नजर आने लगी है। सवाल यह है कि क्या समाजसेवा वास्तव में समाज के लिए हो रही है या समाजसेवा के नाम पर अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत हित साधने का नया रास्ता तैयार किया जा रहा है? आजकल सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में एक नया चलन तेजी से देखने को मिल रहा है। जैसे ही किसी संस्था, संगठन, पंचायत, राजनीतिक दल या सामाजिक मंच पर कोई पद खाली होने की चर्चा शुरू होती है, वैसे ही कुछ लोगों की समाजसेवा अचानक तेज हो जाती है। जो लोग लंबे समय तक समाज की समस्याओं, गरीबों की परेशानियों और जरूरतमंदों की मजबूरियों से अनजान बने रहते हैं, वे अचानक सेवा के बड़े-बड़े दावे करने लगते हैं। कहीं कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित होता है, कहीं राशन बांटने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की जाती हैं, तो कहीं किसी जरूरतमंद परिवार की सहायता करते हुए दर्जनों फोटो खिंचवाए जाते हैं। यहां सवाल किसी के सेवा कार्य पर उंगली उठाने का नहीं, बल्कि सेवा के पीछे छिपी नीयत और उद्देश्य को समझने का है। यदि कोई व्यक्ति वास्तव में जरूरतमंदों की सहायता कर रहा है तो



उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन जब सेवा का मुख्य उद्देश्य किसी पद को हासिल करना, अपनी छवि चमकाना या भविष्य में राजन



आईओए चुनाव : पीटी उषा को मिली हार, साइना नेहवाल समेत चार महिला खिलाड़ी जीतीं

नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा को स्पोर्ट्सपर्सन्स आफ आउटस्टैंडिंग मेरिट (एसओएम) चुनाव में बड़ा झटका लगा। महिला वर्ग की चार सीटों के लिए हुए चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वहीं, ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल और पूर्व खिलाड़ियों अंजू बाबी जार्ज, रानी रामपाल तथा डोला बनर्जी ने जीत दर्ज की। महिला वर्ग की चार सीटों के लिए कुल छह उम्मीदवार मैदान में थे।

इनमें से चार उम्मीदवारों का चयन सबसे अधिक वोट मिलने के आधार पर हुआ। अंजू बाबी जार्ज ने सर्वाधिक 53 वोट हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। रानी रामपाल को 50, डोला बनर्जी को 45 और साइना नेहवाल को 43 वोट मिले। वहीं, आईओए अध्यक्ष पीटी उषा को 40 वोट मिले, जबकि अनिता पाल दुर्इ को केवल छह वोट हासिल हुए। महिला वर्ग में कुल 80 वोट पड़े।

पीटी उषा के लिए बड़ा झटका

पीटी उषा दिसंबर 2022 में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष चुनी गई थीं। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला बनी थीं। ऐसे में एसओएम चुनाव में उनकी हार को आईओए के भीतर उनके लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आगामी 5 दिसंबर को आईओए की कार्यकारी परिषद के लिए चुनाव होने हैं। इन चुनावों के जरिए वर्ष 2026 से 2030 तक के कार्यकाल के लिए नए पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।

पुरुष वर्ग में चारों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

पुरुष वर्ग में चार उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इस श्रेणी में कुल 12 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन आठ उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के बाद चारों सीटों पर निर्विरोध चयन हुआ। इनमें ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग, योगेश्वर दत्त और विजेंदर सिंह के अलावा पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी कमलेश मेहता शामिल हैं।

5 दिसंबर के चुनाव में होगी एसओएम प्रतिनिधियों की अहम भूमिका

एसओएम के तहत निर्वाचित सभी प्रतिनिधि भारतीय ओलंपिक संघ की जनरल असेंबली के सदस्य बनेंगे। उन्हें 5 दिसंबर को होने वाले कार्यकारी परिषद के चुनाव में मतदान करने के साथ-साथ चुनाव लड़ने का भी अधिकार होगा। इसके अलावा, एसओएम प्रतिनिधियों में से एक पुरुष और एक महिला सदस्य को आईओए की कार्यकारी परिषद में भी जगह मिलेगी।

ऐसे में इन प्रतिनिधियों की भूमिका संगठन के आगामी नेतृत्व के चयन में काफी अहम मानी जा रही है। महिला वर्ग के चुनाव परिणाम ने आईओए के भीतर नेतृत्व को लेकर होने वाले आगामी मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। अब सभी की नजरें 5 दिसंबर को होने वाले चुनाव पर टिकी हैं, जिसमें भारतीय ओलंपिक संघ के अगले नेतृत्व का फैसला होगा।

न्यूज ब्रीफ

बाबर आजम के शतक लगाने का इंतजार और लंबा हुआ, अपना आखिरी टेस्ट शतक दिसंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची में लगाया था

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी में खेले जा रहे



पहले घरेलू टेस्ट मैच में शतक का शानदार मौका गंवा बैठे। उन्होंने 58 गेंदों में 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन इसे बड़े स्कोर में तब्दील करने में नाकाम रहे। यह लगातार 41वीं टेस्ट पारी है जब बाबर आजम शतक नहीं लगा पाए हैं, जिससे उनका शतक का सूखा जारी है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए अपना आखिरी टेस्ट शतक दिसंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची में लगाया था। इस अर्धशतकीय पारी में उन्होंने कुल 7 चौके लगाए। मैच में, श्रीलंका क्रिकेट टीम ने टास जीतकर मेजबान पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज अजान ओवैस और तैयब आरिफ ने टीम को सधी हुई शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 86 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। अजान ओवैस ने टीम के लिए 50 गेंद में 30 रन बनाए, जबकि तैयब आरिफ ने 51 गेंद में 57 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। शुरुआती विकेट गिरने के बाद, कप्तान बाबर आजम ने मोर्चा संभाला और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए मोहम्मद ताहा के साथ मिलकर 69 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी में बाबर आजम का अहम योगदान रहा। हालांकि, अर्धशतक पूरा करने के बाद वे दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से आउट हो गए। उन्हें दिलशान मधुशंका ने कुसल मेंडिस के हाथों कैच कराया। लगातार खराब फार्म से जूझ रहे बाबर आजम ने जब फिफ्टी पूरी की तो ऐसा लगा था कि वे अपने शतक का इंतजार खत्म कर देंगे, लेकिन वे फिर नाकाम रहे।

चेन्नई ओपन टेनिसः एक्यूआई 1556 के बीच फाइनल कराने पर अड़े थे आयोजक स्टार खिलाड़ी ने किया चौंकाने वाला दावा



चेन्नई । भारत के कई शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बिगड़ रहा है। इसका असर अब खेल आयोजनों पर भी दिखने लगा है। चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल फाइनल खराब मौसम और प्रदूषण के कारण टालना पड़ा। शहर में धुंध इतनी घनी थी कि दृश्यता प्रभावित हो रही थी। इस बीच गत चैंपियन इंडोनेशिया की जेनिस तिएन ने आयोजकों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि हवा की गुणवत्ता बेहद खराब होने के बावजूद आयोजक फाइनल मुकाबला कराना चाहते थे। तिएन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें चेन्नई में छाई घनी धुंध दिखाई दे रही है। उन्होंने इसके साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 1556 होने का आंकड़ा भी साझा किया। तिएन के मुताबिक, इतने खराब हालात के बावजूद आयोजक मुकाबला कराने के पक्ष में थे। बारिश के बाद प्रदूषण ने रोका मुकाबला महिला एकल फाइनल में तिएन का सामना पोलैंड की माग्दा लिनेट से होना था। मुकाबला होना था, लेकिन बारिश के कारण इसमें कई बार देरी हुई।

सूर्यकुमार यादव सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में मुंबई के कप्तान:शिवम दुबे, सरफराज और शार्दूल भी टीम में; 14 नवंबर को हैदराबाद से पहला मुकाबला

मुंबई। सूर्यकुमार यादव सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्राफी में मुंबई की कप्तानी करेंगे। मुंबई क्रिकेट



एसोसिएशन ने इसकी जानकारी दी। सूर्यकुमार टी-20 वर्ल्ड कप जिताने के बाद टीम इंडिया से बाहर हो गए थे। उनकी जगह मुंबई के ही श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया है। सूर्या ने आखिरी मुकाबला IPL 2026 में 24 मई को राजस्थान रायल्स के खिलाफ खेला था। मुंबई की टीम में शिवम दुबे भी, अंगकृष रघुवंशी, सरफराज खान, शार्दूल ठाकुर और तुषार देशपांडे जैसे खिलाड़ी भी खेलेंगे। बोले- मुंबई के लिए खेलना गर्व की बात कप्तान बनाए जाने के बाद सूर्यकुमार ने कहा, मुंबई का प्रतिनिधित्व करना हमेशा गर्व की बात है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण है। मुझे भरोसा है कि सभी खिलाड़ी एकजुट होकर पूरे जोश के साथ खेलेंगे और हर मैच में अपना बेस्ट देंगे। रणजी टीम की कप्तानी करने वाले सिद्धेश लाड को जगह नहीं मुंबई की रणजी ट्राफी टीम की कप्तानी कर रहे सिद्धेश लाड को टी-20 टीम में जगह नहीं मिली है। रणजी ट्राफी लंबे फार्मेट का टूर्नामेंट है, जबकि सैयद मुश्ताक अली ट्राफी टी-20 फार्मेट में खेली जाती है। इसलिए दोनों टीमों के लिए खिलाड़ियों का चयन अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से किया जाता है। मुंबई की टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), दिव्यांश सक्सेना, सुवेद पारकर, मुशीर खान, सरफराज खान, सैराज पाटिल, शिवम दुबे, अथर्व अंकोलेकर, शार्दूल ठाकुर, तुषार देशपांडे, शम्स मुलानी, मैक्सवेल स्वामीनाथन, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा और हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर)।

आईपीएल 2027 ट्रेड विंडो में बड़ी अदला-बदली की चर्चा

नई दिल्ली

आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले टीमों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली (ट्रेड डील) का दौर तेजी से चल रहा है। अब तक आठ ट्रेड डील की जा चुकी हैं, और कुछ बड़ी डीलों की घोषणा होना बाकी है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस से हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स जाएंगे, और उनकी जगह अर्शदीप सिंह पंजाब से मुंबई में आएंगे, हालांकि इस डील पर मुहर लग चुकी है, लेकिन अभी इसका औपचारिक एलान नहीं हुआ है। अब एक और बड़ी ट्रेड डील सामने आई है जिसकी चर्चा जोर-शोर से हो रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल राजस्थान रायल्स का साथ छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होंगे। वहीं, लखनऊ से निकोलस पूरन या जोश इंग्लिस राजस्थान रायल्स में आ सकते हैं। इस तरह, लखनऊ और राजस्थान के बीच तीन खिलाड़ियों की अदला-बदली होने की संभावना है।



रिपोर्ट में बताया गया है कि यशस्वी जायसवाल के साथ संदीप शर्मा और विग्नेश पुथुर भी लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो सकते हैं। इस ट्रेड डील के जरिए जोश इंग्लिस या निकोलस पूरन, प्रिंस यादव के साथ राजस्थान रायल्स में जा सकते हैं। कुछ दिन पहले राजस्थान और लखनऊ के बीच इस ट्रेड डील को लेकर शुरुआती चर्चा हुई थी। हालांकि, अभी तक दोनों ही फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई औपचारिक एलान नहीं किया गया है, जिससे यह अभी अटकलों का विषय बना हुआ है।

लखनऊ और राजस्थान की इस ट्रेड डील के अलावा, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच भी एक संभावित डील चर्चा में है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि गुजरात टाइटंस ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के बदले फिनिशर आशुतोष शर्मा को लेने की डील दिल्ली कैपिटल्स को आफर की है। इस डील का भी अभी औपचारिक एलान बाकी है। ये ट्रेड डील टीमों के संतुलन और आगामी नीलामी की रणनीति के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं, क्योंकि टीमें अपने स्क्वाड को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं।

मुश्फिकुर रहीम टेस्ट क्रिकेट में 7000 रन बनाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने, रचा इतिहास

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने टेस्ट क्रिकेट में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। वह टेस्ट फार्मेट में 7000 रन पूरे करने वाले बांग्लादेश के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह ऐतिहासिक कारनामा वेस्टइंडीज के खिलाफ सिल्हट में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में हासिल किया। इस पारी में सिर्फ 9 रन बनाते ही रहीम ने 7000 टेस्ट रनों का आंकड़ा छू लिया, जिससे उनका नाम बांग्लादेशी क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। सिल्हट टेस्ट में बांग्लादेश को चौथी पारी में 387 रनों का विशाल लक्ष्य मिला था। बांग्लादेश का दूसरा विकेट महज 40 रनों पर गिर गया, जिसके बाद मुश्फिकुर रहीम नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने आए और अपनी पारी के शुरुआती 9 रन बनाते ही इस ऐतिहासिक मील के पत्थर पर पहुंच गए। पहली पारी में वह 34 रन बनाकर आउट हुए थे, लेकिन दूसरी पारी में उनकी यह छोटी सी पारी उनके करियर का सबसे बड़ा क्षण बन गई। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मुश्फिकुर रहीम के अलावा कोई भी अन्य बांग्लादेशी बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 6000 रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया है। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर मोमिनुल हक हैं, जिनके नाम 5293 रन हैं, जबकि तमीम इकबाल 5134 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। यह आंकड़े रहीम की निरंतरता और टेस्ट क्रिकेट में उनके योगदान को बखूबी दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, मुश्फिकुर रहीम बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज भी हैं। बतौर विकेटकीपर उन्होंने अब तक 3515 रन बनाए हैं, और इस सूची में भी वह सबसे आगे हैं। दूसरे स्थान पर लिटन दास हैं, जिन्होंने बतौर विकेटकीपर 2990 रन बनाए हैं। दूसरे टेस्ट मैच की बात करें तो, वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 356 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 386 रन बनाकर पहली पारी में 30 रनों की मामूली बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में कावेम हाज के शानदार 142 रनों की बदौलत 398 रन बनाकर घोषित की, जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 387 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य मिला। मुश्फिकुर रहीम की यह ऐतिहासिक पारी इस महत्वपूर्ण मैच के दौरान आई है।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया प्रमुख ग्रीनबर्ग ने सैंडपेपर विवाद की जांच दोबारा शुरू करने से किया इनकार

सिडनी

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के प्रमुख टाड ग्रीनबर्ग ने 2018 के चर्चित सैंडपेपर विवाद की जांच दोबारा शुरू करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें नए सिरे से जांच कराने की कोई ठोस वजह नजर नहीं आती।

आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा में दावा किया है कि 2018 में गेंद से छेड़छाड़ की योजना के बारे में पूरी टीम को जानकारी थी और यह मामला केवल कुछ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं था। जारी हुई उनकी किताब के बाद इस विवाद पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। उस समय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था, ताकि गेंद को रिवर्स स्विंग मिल सके।

ग्रीनबर्ग ने स्थानीय रेडियो स्टेशन एसईएन से बातचीत में कहा कि खिलाड़ियों के इस मामले को लेकर ख्वाजा के दावे से बिल्कुल अलग विचार हैं।

उन्होंने कहा, उनकी किताब में कुछ खास विवरण ऐसे हैं, जो दूसरे लोगों द्वारा दिए गए बयानों से मेल नहीं खाते। हालांकि, हमें मिली जानकारी के आधार पर हम जांच के नतीजे से संतुष्ट हैं। इसमें वह जानकारी भी शामिल है, जो हमने उस्मान से देखी है। इस मामले पर हमारा रुख नहीं बदला है। हमें जांच दोबारा शुरू करने या इस मामले की फिर से समीक्षा करने की कोई ठोस वजह नजर नहीं आती। मुझे नहीं लगता कि ऐसा करने से कुछ हासिल होगा।

इस मामले के समय क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी

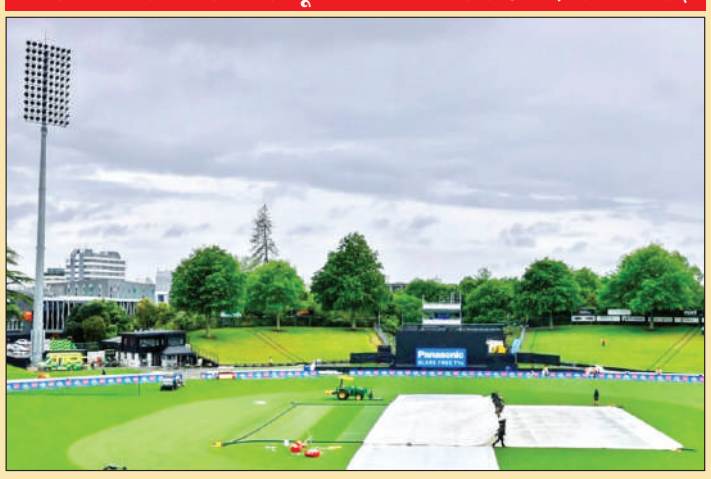


अधिकारी रहे जेम्स सदरलैंड ने मंगलवार को टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वहीं, 2019 में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाले कैमरन बैनक्राफ्ट ने भी आस्ट्रेलियाई मीडिया से इस बारे में कुछ कहने से इनकार कर दिया।

बैनक्राफ्ट ने 2021 में द गार्जियन को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि यह बात अपने आप स्पष्ट थी कि स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर के अलावा टीम के अन्य खिलाड़ियों को भी गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी थी।

गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वार्नर और बैनक्राफ्ट को अपमानजनक परिस्थितियों में स्वदेश लौटना पड़ा था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया की जांच में इन तीनों को ही इस योजना की पहले से जानकारी रखने वाला खिलाड़ी बताया गया था। हालांकि, इस साल 88 टेस्ट मैच खेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले ख्वाजा ने अपनी किताब सब्र में इस घटना को लेकर अलग पक्ष रखा है। उन्होंने इस विवाद पर एक पूरा अध्याय लिखा है, जिसमें टीम के भीतर इस योजना की जानकारी होने को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा एकदिवसीय मैच रद्द



हैमिल्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला लगातार बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। अंपायरों ने मौसम और मैदान की स्थिति का जायजा लेने के बाद खेल नहीं कराने का फैसला किया। इसके बाद दोनों टीमों के कप्तानों को निर्णय की जानकारी दी गई और खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाकर मुकाबला समाप्त होने की औपचारिकता पूरी की। हालांकि बारिश कुछ देर के लिए जरूर रुकी थी, जिसके बाद टास भी हुआ था और भारत ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन इसके बाद बारिश फिर शुरु हो गई। अंपायरों ने काफी इंतजार करने के बाद आखिरकार मैच रद्द करने का फैसला किया। मैच अधिकारियों के अनुसार, लगातार हुई बारिश के कारण मैदान को खेलने लायक बनाने में कम से कम 30 से 40 मिनट का समय लगना था। इसके बावजूद मौसम में सुधार नहीं हुआ और अंततः मुकाबला रद्द करने का फैसला लिया गया। मैच रद्द होने के बाद पांच मैचों की सीरीज में भारत 2-0 से आगे है। इस नतीजे के साथ भारतीय टीम अब सीरीज नहीं हार सकती।

भारत के बेंगलुरु में नेपाल की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम खेलेगी टी-20 सीरीज, सोनी पाखिन संभालेंगी कप्तानी

काठमांडू

नेपाल क्रिकेट संघ (सीएएन) ने भारत के बेंगलुरु में होने वाली नेपाल-भारत अंडर-19 महिला टी-20 क्रिकेट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय नेपाली टीम की घोषणा कर दी है। यह सीरीज 12 से 22 नवंबर तक आयोजित होगी। सीएएन की ओर से घोषित टीम की कमान सोनी पाखिन को सौंपी गई है। उनके नेतृत्व में नेपाली अंडर-19 महिला टीम भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज में मैदान पर उतरेगी।

इस सीरीज का उद्देश्य युवा महिला क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान करना और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को विकसित करना है। भारत में होने वाले इन मुकाबलों से नेपाली खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और मजबूत क्रिकेट टीम के खिलाफ खेलने का अवसर मिलेगा।



नेपाल की 15 सदस्यीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम:

- * सोनी पाखिन (कप्तान)
- * रचना कुमारी चौधरी
- * रिया शर्मा
- * प्रिन्सा राना मगर
- * टीका साह
- * अंजिला पाठक
- * साक्षी यादव
- * सावित्री धामी
- * मनीषा चौधरी
- * आशिका कुमारी महरा
- * आस्था चौधरी
- * प्रथा श्रेष्ठ
- * ज्योत्स्निका मरासिनी
- * पूर्णिमा राजवंशी
- * तिर्सना विश्वकर्मा

नेपाल क्रिकेट संघ को उम्मीद है कि इस सीरीज के जरिए युवा महिला खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने और भविष्य की राष्ट्रीय टीम के लिए खुद को तैयार करने का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा।

इंदौर में 12 नवंबर से स्नूकर की विश्व चैंपियनशिप, 21 को होंगे फाइनल

इंदौर

इंदौर में 12 से 21 नवंबर तक आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया जाएगा। यशवंत क्लब में होने वाली इस प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन आफ इंडिया (बीएसएफआई) के अध्यक्ष एस. बालासुब्रमण्यम और सचिव सुनील बजाज के अनुसार, चैंपियनशिप में 30 से अधिक देशों के 150 से ज्यादा खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है। तीन बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी और मौजूदा महिला विश्व चैंपियन अनुपमा रामचंद्रन भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे।

फेडरेशन के अनुसार, 22 सदस्यीय भारतीय दल में 15 पुरुष और सात महिला खिलाड़ी शामिल हैं। पुरुष वर्ग में आठ भारतीय खिलाड़ियों को सीधे मुख्य दौर में प्रवेश मिला है, जबकि सात खिलाड़ी क्वालीफाइंग मुकाबलों में चुनौती पेश करेंगे।

दो चरणों में होगी पुरुष वर्ग की स्पर्धा - पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित होगी। पहले चरण में क्वालीफाइंग की दो स्पर्धाएं होंगी। प्रत्येक स्पर्धा में अधिकतम 64 खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। दोनों स्पर्धाओं से आठ-आठ खिलाड़ी मुख्य दौर में पहुंचेंगे। इस तरह पहले से सीधे प्रवेश पाने वाले 32 खिलाड़ियों और क्वालीफाइंग से पहुंचे 16 खिलाड़ियों सहित कुल 48 खिलाड़ी मुख्य खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। क्वालीफाइंग मुकाबले नाकआउट आधार पर होंगे।

आडवाणी सहित आठ भारतीय सीधे मुख्य दौर में - पुरुष वर्ग में पंकज आडवाणी, हुसैन खान, बृजेश दामानी, मानव चंद्रा, आदित्य मेहता, केतन चावला, सौरव कोठारी और मलकीत सिंह को सीधे मुख्य दौर में प्रवेश मिला है। वहीं पूर्व विश्व छह-रेड स्नूकर चैंपियन लक्ष्मण रावत और कमल चावला के साथ रयान रजमी, ध्वज हरिया,



अनुराग गिरि, पीयूष खुशवाह और ऋत्विक जैन क्वालीफाइंग चरण में खेलेंगे।

महिला वर्ग में अनुपमा रामचंद्रन के साथ अमी कामानी, कीर्तना पांडियन, इशिका शाह, स्नेन्श्रा बाबू, आर. उमादेवी और श्रुति एल. भारतीय टीम का हिस्सा हैं। टीम के कोच अशोक शांडिल्य हैं।

पुरुष विजेता को 10 हजार, महिला विजेता को 4 हजार डालर - चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग के लिए न्यूनतम 25 हजार डालर और महिला वर्ग के लिए 10,500 डालर की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। पुरुष वर्ग के विजेता को 10 हजार और उपविजेता को पांच हजार डालर मिलेंगे। महिला वर्ग की विजेता को चार हजार और उपविजेता को दो हजार डालर दिए जाएंगे। दोनों वर्गों में सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों के लिए भी पुरस्कार रखे गए हैं। इसके अलावा पुरुष वर्ग में 100 से अधिक और महिला वर्ग में 75 से अधिक का सर्वोच्च ब्रेक बनाने वाले खिलाड़ी को अलग पुरस्कार मिलेगा।

13 नवंबर से क्वालीफाइंग, 17 से मुख्य मुकाबले - क्वालीफाइंग स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों और रेफरियों की बैठक 12 नवंबर को शाम सात बजे यशवंत क्लब में होगी। मुकाबले 13 नवंबर से शुरू होंगे। पुरुष वर्ग के मुख्य दौर और महिला वर्ग के खिलाड़ियों की बैठक 16 नवंबर को होगी। दोनों वर्गों के मुख्य मुकाबले 17 नवंबर को सुबह 10 बजे से शुरू होंगे। पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल 21 नवंबर को खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग में क्वार्टर फाइनल तक के मुकाबले बेस्ट आफ सेवन फ्रेम्स के होंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल बेस्ट आफ नाइन फ्रेम्स के आधार पर खेले जाएंगे। महिला वर्ग में राउंड राबिन मुकाबले बेस्ट आफ थ्री और नाकआउट मुकाबले बेस्ट आफ फाइव फ्रेम्स के होंगे। मुकाबलों के लिए यशवंत क्लब में 10 से 12 स्नूकर टेबल लगाई जाएंगी। खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए इंदौर मैरियट होटल में भी दो से तीन टेबल की व्यवस्था रहेगी। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था इसी होटल में की गई है। प्रतियोगिता के दौरान 20 नवंबर को आईबीएसएफ की वार्षिक आमसभा भी आयोजित होगी।

स्नैप्स इंडिया को राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता में मिला 'बेस्ट इमेज ऑफ द ईयर' पुरस्कार



हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद की न्यूज एवं फोटो एजेंसी स्नैप्स इंडिया ने फोटोग्राफी अकादमी ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता-2026 में प्रतिष्ठित 'बेस्ट इमेज ऑफ द ईयर' पुरस्कार हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित इस प्रतियोगिता की थीम 'मेरा भारत : लोकतंत्र और स्वतंत्रता के 80 वर्ष' थी। तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने इस उपलब्धि पर स्नैप्स इंडिया के एसोसिएट एडिटर बजरंग शाह एवं एडिटर मोहम्मद शम्सुद्दीन को सम्मानित कर बधाई दी।





कार्तिक अमावस्या के पावन अवसर पर सिख विलेज एक्स रोड पर अमावस्या अन्नप्रसाद ग्रुप की ओर से अन्नप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिनेश कटारिया, दिलीप लोढ़ा, संजय खंडेल, संजय तातिया, ज्ञानचंद लोढ़ा, प्रवीण लोढ़ा, अनवर भाई, राजू बोहरा, शेरमल तातेड़ (विक्की), अशोक, श्रवण सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अमेरिका में केआईएमएस की लगातार दूसरी जीत, 'कार-टीटन्स' ने रचा इतिहास

एसीआर नॉलेज बाउल में 9,700 अंक हासिल कर बनाया नया रिकॉर्ड, 15 अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को पछाड़ा



ऑरलैंडो (अमेरिका), 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय चिकित्सा जगत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केआईएमएस अस्पताल के रुमेटोलॉजी विभाग की टीम 'कार-टीटन्स' ने अमेरिका के ऑरलैंडो में आयोजित एसीआर कन्वर्जेंस-2026 में प्रतिष्ठित 'एसीआर नॉलेज बाउल' का खिताब जीत लिया। टीम ने 2025 के बाद लगातार दूसरी बार चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय टीम बन गई है।

टीम ने प्रतियोगिता में रिकॉर्ड 9,700 अंक हासिल किए, जबकि उपविजेता टीम को 4,000 अंक मिले। इस मुकाबले में यूसीएलए, मेयो क्लिनिक, कोलंबिया यूनिवर्सिटी और हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी सहित 15 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा एवं शोध संस्थानों की टीमों ने भाग लिया।

विजेता टीम में डॉ. सैयद मुस्तफा जाह एवं डॉ. वेंकट साई वीसम शामिल थे। टीम के मार्गदर्शक एवं फैकल्टी सदस्य डॉ. शरत चंद्र मौली वीरवल्ली रहे। एसीआर-2026 में केआईएमएस के चिकित्सकों ने अन्य श्रेणियों में भी उपलब्धियां हासिल कीं। डॉ. सैयद मुस्तफा जाह की प्रस्तुति दक्षिण एशिया की विजेता रही और उसे प्लेनरी-1 में विशेष पहचान मिली। डॉ. सृष्टि पाल की प्रस्तुति विशेषज्ञ पैनल चर्चा के लिए चुनी गई। इसके अलावा डॉ. वेंकट साई वीसम तथा डॉ. पोथीरेड्डी मोहित रेड्डी के शोध पत्र भी स्वीकार किए गए। डॉ. पोथीरेड्डी मोहित रेड्डी की केस प्रस्तुति को पोस्टर प्रदर्शन के लिए चयनित किया गया।

सड़क विस्तार कार्य में तेजी के निर्देश



पेद्दापल्ली, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने मंगलवार को मंथानी कस्बे में चल रहे सड़क निर्माण एवं विस्तार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मंथानी-गोदावरीखनी सड़क, पुष्करा घाट और महालक्ष्मी मंदिर के पास सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सड़क विस्तार में बाधा बन रहे बिजली के खंभों को जल्द हटाने तथा संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर सड़कों को जनता के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाए।निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास, उपाध्यक्ष सायेंद्र रेड्डी, विद्युत विभाग के एसई गंगाधर, नगर आयुक्त मनोहर एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हनुमान मंदिर में 2.59 लाख का चढावा



मदनूर, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के सलाबतपुर स्थित श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर (मिर्जापुर) में देवदाय विभाग के नेतृत्व में हुंडी की गणना की गई। इस दौरान मंदिर को 2,59,096 रुपये की आय प्राप्त हुई। यह कार्यक्रम निजामाबाद जिले के संयुक्त सहायक आयुक्त विजय रामा राव की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी रामुलु, कनिष्ठ सहायक कुलकर्णी वेणु, अभिलेख सहायक कल्पना कुलकर्णी, पुजारी अरविंद जोशी, विजय कुमार, शैलेंद्र जोशी सहित अन्य कर्मचारी एवं विभिन्न मंदिरों के पुजारी उपस्थित रहे।

ट्रांसजेंडर अधिकारों पर जागरूकता



पेद्दापल्ली, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा के निर्देशानुसार मंचेरियल महिला पुलिस स्टेशन में ट्रांसजेंडरों के अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रांसजेंडर संरक्षण प्रकोष्ठ के निरीक्षक सत्यनारायण ने कहा कि ट्रांसजेंडर अधिकार संरक्षण अधिनियम-2019 के तहत भेदभाव और उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पीड़ितों से तुरंत पुलिस में शिकायत करने की अपील की। कार्यक्रम में एसआई हैमा एवं पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पताल का औचक निरीक्षण



पेद्दापल्ली, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने मंगलवार को पेद्दापल्ली जिला सरकारी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, प्रसव कक्ष, आपातकालीन विभाग, ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू सहित विभिन्न विभागों का जायजा लेकर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि गरीब मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले। उन्होंने मरीजों के भोजन की गुणवत्ता और अस्पताल की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने तथा स्वास्थ्य कार्ड एवं चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने डॉक्टरों और कर्मचारियों से जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ सेवाएं देने को कहा।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित



मंचेरियल, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल में श्री रामदेव बाबा के भक्तों ने पंचदेव मंदिर में दीपावली स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और सुख-समृद्धि की कामना की।वहीं, लक्ष्मीनारायण मंदिर में आयोजित स्नेह मिलन समारोह में पूर्व विधायक एन. दिवाकर राव एवं बीआरएस युवा नेता विजित राव शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद सुरेश बंडवा, अध्यक्ष श्याम सुंदर बाल्डवा, पूर्व अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास, सचिव प्रेमराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जय माँ...

इंतजाम क्यों कर रही है, जिनसे उनके मुताबिक कथित अवैध मंदिर को वैधता मिलती है। एआईएमआईएम नेता मोहम्मद मुबाशिर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस ने उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद अस्थायी निर्माण को मंजूरी दी और मंदिर को वैध बनाने में भूमिका निभाई।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चारमीनार का विनाश हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा तेलंगाना की राजनीति को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही है। पत्रकार मुबाशिर खुर्रम ने भी सवाल उठाया कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस व्यवस्था कर रही है, लेकिन 435 साल पुराने चारमीनार की सुरक्षा कौन सुनिश्चित करेगा?

क्या है भाग्यलक्ष्मी मंदिर का पुराना विवाद?

चारमीनार का निर्माण वर्ष 1591 में गोलकुंडा के सुल्तान और हैदराबाद के संस्थापक मोहम्मद कुली कुतुब शाह के शासनकाल में हुआ था। इसके दक्षिण-पूर्वी मीनार के पास बने भाग्यलक्ष्मी मंदिर की शुरुआत को लेकर लंबे समय से विवाद है।

वर्ष 2013 में इंडिया टुडे पत्रिका की एक रिपोर्ट में सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के जवाब का हवाला दिया गया था। इसमें एजेंसी ने मंदिर को अनधिकृत निर्माण बताया था। एएसआई की ओर से उपलब्ध कराई गई वर्ष 1959, 1980 और 2003 की तस्वीरों में वर्ष 1959 में वहां मंदिर जैसी कोई संरचना दिखाई नहीं दी, जबकि बाद की तस्वीरों में यह संरचना नजर आने लगी।

अगस्त 2001 में टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि चारमीनार के दक्षिण-पूर्वी मीनार के पास '0-हैदराबाद' लिखा एक पत्थर था। वर्ष 1969 में एक ट्रक की टक्कर से यह पत्थर टूट गया था, जिसके बाद वहां भाग्यलक्ष्मी मंदिर बना। इतिहासकार नरेंद्र लूथर ने भी वर्ष 2012 में कहा था कि स्थानीय लोगों ने 1960 के दशक में मंदिर बनाया था और उससे पहले वहां कुछ नहीं था।

अक्टूबर 2012 में मंदिर में निर्माण कार्य को लेकर तनाव बढ़ गया था। मंदिर प्रबंधन ने इसे मरम्मत का काम बताया था। 5 नवंबर 2012 को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। न्यायालय ने निर्देश दिया था कि मंदिर 30 अक्टूबर 2012 की स्थिति में ही रहेगा और चारमीनार को छूने वाला कोई निर्माण नहीं होगा। वर्ष 2013 में उच्च न्यायालय ने इन पाबंदियों को बरकरार रखा, हालांकि मंदिर हटाने का कोई आदेश नहीं दिया।

इसके बाद वर्ष 2018 और 2022 में भी मंदिर के विस्तार को लेकर आरोप लगे। एएसआई अधिकारियों ने वर्ष 2022 में विस्तार से इनकार करते हुए बदलावों को अस्थायी बताया था। अब दीपावली के दौरान उमड़ी भीड़ और विभिन्न राजनीतिक नेताओं के दौरों ने दशकों पुराने विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। एक ओर श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम कार्यकर्ता प्रशासन से चारमीनार की सुरक्षा और मंदिर की कानूनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग कर रहे हैं।

दास्तान...

इस पर सोनिया गांधी ने जवाब दिया था, जी, अब ठीक हूं, शुक्रिया।

सोनिया गांधी ने लिखा है कि जन्मदिन और नए साल जैसे अवसरों पर शुभकामना संदेशों के अलावा प्रधानमंत्री मोदी से कभी लंबी बातचीत नहीं हुई। उन्होंने यह भी लिखा है कि प्रधानमंत्री मोदी उनसे नजरें मिलाने से बचते हैं। सोनिया गांधी के मुताबिक, दोनों के बीच दूरी की वजह उनके अलग-अलग वैचारिक नजरिए भी हैं। उन्होंने मोदी के भारत के दृष्टिकोण को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से प्रभावित बताते हुए कहा है कि उनके अपने विचार धर्मनिरपेक्षता, समावेशिता और सामाजिक न्याय पर आधारित हैं।

सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के अपेक्षाकृत साधारण पृष्ठभूमि से आगे बढ़ने की बात को स्वीकार किया है, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया है कि उनकी साधारण पृष्ठभूमि को उनकी जनसंपर्क मशीनरी ने किस तरह पेश किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के संसद में दिए गए भाषणों की भी आलोचना की है और आरोप लगाया है कि वह विपक्ष, खासकर जवाहरलाल नेहरू पर लगातार हमला करते हैं। सोनिया गांधी ने कहा है कि दोनों के बीच मतभेद व्यक्तिगत नहीं, बल्कि वैचारिक हैं।

2004 में प्रधानमंत्री पद ठुकराने के फैसले पर सोनिया का पक्ष

वर्ष 2004 में जब सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री बनना स्वीकार नहीं किया था, तब कांग्रेस ने इसे त्याग के तौर पर पेश किया था। वहीं, भाजपा आज तक यह दावा करती है कि मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाकर सोनिया गांधी ने 10 वर्षों तक रिमोट कंट्रोल से सरकार चलाई। सोनिया गांधी की पुस्तक में इस पूरे घटनाक्रम पर उनका अपना पक्ष सामने आया है।

पुस्तक के मुताबिक, सोनिया गांधी ने वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव से कई महीने पहले ही तय कर लिया था कि वह प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करेंगी। उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से भी इस बारे में बात की थी। दोनों का मानना था कि सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपनी दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी की हत्याओं का दर्द झेला था।

सोनिया गांधी ने जब स्वयं से पूछा कि कांग्रेस के जीतने पर क्या वह प्रधानमंत्री पद स्वीकार करेंगी, तो उनका जवाब था, बिल्कुल नहीं। उन्होंने यह फैसला अपने करीबी सहयोगियों से भी छिपाकर रखा था। उन्हें डर था कि यदि यह बात पहले सामने आ गई तो कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर खींचतान शुरू हो सकती है।

यहां तक कि 18 मई 2004 को उनके साथ राष्ट्रपति भवन गए मनमोहन सिंह को भी उनके फैसले की जानकारी नहीं थी। राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से मुलाकात के बाद सोनिया गांधी इस बात को लेकर चिंतित थीं कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को कैसे बताएंगी कि उन्होंने कांग्रेस को जीत दिलाई है, लेकिन सरकार का नेतृत्व नहीं करेंगी। इसके बाद उन्होंने अहमद पटेल को भरोसे में लिया और वरिष्ठ नेताओं की प्रतिक्रिया जानने को कहा।

हालांकि, सहयोगियों के दबाव के बाद एक समय सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद के लिए ठीक है कह दिया था। गठबंधन के नेता एक घंटे से अधिक समय तक उन्हें पद स्वीकार करने के लिए मनाते रहे। जब सोनिया गांधी ने मना किया तो नेताओं ने उन्हें घेर लिया और कहा कि वे उनका नहीं स्वीकार नहीं करेंगे। दबाव में सोनिया गांधी ने ठीक हैकहश्र दिया और नेता उन्हें बधाई देने लगे।

इसके बाद प्रियंका गांधी भावुक होकर राहुल गांधी के पास गईं और उन्हें बताया कि सोनिया गांधी ने हां कह दी है। राहुल गांधी ने अपनी मां से पूछा, आपने हां कह दी?' सोनिया गांधी ने बताया कि उन पर दबाव डाला गया था। राहुल नाराज हुए, जबकि प्रियंका ने सोनिया से अपने फैसले पर कायम रहने को कहा।

उस रात सोनिया गांधी अपने मन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रति जिम्मेदारी और सरकार से दूर रहने के अपने फैसले के बीच संघर्ष करती रहीं। सोने से पहले उन्होंने स्वयं से कहा कि उन्हें अपने फैसले के प्रति सच्चा रहना चाहिए। अगले दिन उन्होंने राहुल को बताया कि वह अपने पुराने फैसले पर कायम रहेंगी। राहुल ने उन्हें गले लगाकर कहा कि उन्होंने सही फैसला किया है।

सोनिया गांधी ने पुस्तक में कहा है कि प्रधानमंत्री पद ठुकराने का फैसला आसान नहीं था। उनके मन में एक ओर प्रधानमंत्री पद को स्वीकार नहीं करने का विचार था, तो दूसरी ओर पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी था।

प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के सोनिया गांधी के फैसले के दौरान 18 मई 2004 को 10 जनपथ के बाहर काफी हंगामा हुआ था। सोनिया गांधी के समर्थन में पूर्व सांसद गंगा चरण राजपूत एक कार के ऊपर चढ़ गए थे और उन्होंने अपनी कनपटी पर पिस्तौल तक तान ली थी। प्रधानमंत्री पद पर सोनिया गांधी के त्याग की चर्चा से पहले उनके विदेशी मूल का मुद्दा भी सुर्खियों में था। कांग्रेस को इस मुद्दे पर घेरा जा रहा था।

विदेशी मूल को लेकर व्यक्तिगत हमलों का भी जिक्र

सोनिया गांधी ने विदेशी मूल को लेकर अपने खिलाफ हुए व्यक्तिगत हमलों का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि विरोधियों ने उन पर रोम का राज स्थापित करने की इच्छा रखने का आरोप लगाया। उन्हें कैबरे डांसर, जासूस और मोनिका लेविंस्की जैसे अपमानजनक नामों से भी पुकारा गया।

सोनिया गांधी के मुताबिक, इसके बावजूद वह भाजपा और आरएसएस को हराने के संकल्प के साथ प्रचार करती रहीं, क्योंकि वह उनकी राजनीति को विभाजनकारी मानती थीं। उस समय यह धारणा भी थी कि कांग्रेस के पास अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की लोकप्रियता का मुकाबला करने वाला कोई नेता नहीं है। सोनिया गांधी ने इस मुकाबले को केवल चुनावी लड़ाई नहीं, बल्कि धर्मनिरपेक्षता को लेकर वैचारिक लड़ाई के तौर पर देखा।

राष्ट्रपति कलाम से मुलाकात और प्रधानमंत्री पद का दावा

सोनिया गांधी ने अपनी पुस्तक में उस समय के राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि डॉ. कलाम ने विदेशी मूल के मुद्दे पर उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार करने के दावे का खंडन किया था।

सोनिया गांधी ने 18 मई 2004 को राष्ट्रपति भवन में डॉ. कलाम से मुलाकात का भी जिक्र किया है। वह मनमोहन सिंह के साथ कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन का आंकड़ा पेश करने और सरकार बनाने का दावा करने राष्ट्रपति भवन गई थीं। उनके मुताबिक, उस समय प्रधानमंत्री कौन बनेगा, इस पर सवाल ही नहीं उठा था, क्योंकि सभी को लगता था कि वह ही प्रधानमंत्री बनेंगी।

सोनिया गांधी ने डॉ. कलाम द्वारा विदेशी मूल के कारण उन्हें शपथ दिलाने से इनकार करने के दावे को खारिज किया है। उन्होंने कलाम की पुस्तक टर्निंग पॉइंट्स में दिए गए उनके बाद के बयान का हवाला देते हुए लिखा है कि यदि वह औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री पद का दावा करतीं, तो वह उन्हें संविधान के मुताबिक प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाते।

प्रणब मुखर्जी की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा का जिक्र

सोनिया गांधी ने अपनी पुस्तक में प्रणब मुखर्जी की प्रधानमंत्री पद की इच्छा का भी एक घटना के जरिए जिक्र किया है। सोनिया गांधी ने लिखा है कि पी. चिदंबरम के साथ प्रणब मुखर्जी के गहरे मतभेद हो गए थे। वर्ष 2010 में इस पर अपनी निराशा जताने के बाद प्रणब मुखर्जी ने कहा था, शीर्ष पर बदलाव का समय आ गया है।

सोनिया गांधी लिखती हैं कि यह सुनकर वह हैरान रह गई थीं। उनके मुताबिक, इससे उन्हें लंबे समय से प्रणब मुखर्जी की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा का संकेत मिला। सोनिया गांधी ने लिखा है कि प्रणब निराश हुए होंगे, लेकिन उन्होंने बातचीत का विषय बदल दिया। सोनिया गांधी के मुताबिक, प्रणब मुखर्जी ने इस फैसले को उनके खिलाफ नहीं माना। बाद में कांग्रेस ने वर्ष 2012 में प्रणब मुखर्जी को यूपीए का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया और वह राष्ट्रपति चुने गए। सोनिया गांधी ने लिखा है कि वह इसके बाद भी उनसे नियमित रूप से मिलती रहीं और उनके राजनीतिक अनुभव एवं जानकारी को महत्व देती थीं।

मनमोहन सरकार में अपनी भूमिका पर सोनिया ने क्या कहा

मनमोहन सरकार के दौरान अपनी भूमिका को लेकर भी सोनिया गांधी ने पुस्तक में अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा है कि उन्हें स्पष्ट था कि मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री हैं और पार्टी अध्यक्ष के तौर पर वह उन्हें अपनी राय या सुझाव दे सकती हैं तथा उनसे असहमति जता सकती हैं, लेकिन उनका कर्तव्य है कि वह प्रधानमंत्री के फैसले को स्वीकार करें और उनके अधीन रहकर काम करें।

सोनिया गांधी ने यूपीए सरकार में खुद के समानांतर सत्ता केंद्र होने और प्रधानमंत्री कार्यालय की फाइलें देखने के दावों को भी नकारा है। उन्होंने मनमोहन सिंह के एक पूर्व सहयोगी की पुस्तक में लगाए गए उन आरोपों को खारिज किया है, जिनमें कहा गया था कि वह गोपनीय प्रधानमंत्री कार्यालय की फाइलें देखती थीं या महत्वपूर्ण नियुक्तियों को प्रभावित करती थीं। सोनिया गांधी ने लिखा है कि सरकारी फाइलें देखने के आरोप से उन्हें खास तौर पर दुख हुआ, क्योंकि प्रधानमंत्री कार्यालय ने साफ तौर पर कहा था कि ऐसी फाइलें उन्हें नहीं दिखाई गई थीं।

सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह के साथ अपने संबंधों को जिम्मेदारियों के एक अनकहे बंटवारे के तौर पर बताया है। उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री सरकार चलाते थे, जबकि वह कांग्रेस का काम संभालती थीं। प्रणब मुखर्जी, अर्जुन सिंह, ए.के. एंटनी और अहमद पटेल का एक कोर समूह प्रधानमंत्री के साथ हर सप्ताह बैठक करता था, जिसमें सरकार और पार्टी के बीच तालमेल पर चर्चा होती थी। सोनिया गांधी के मुताबिक, मनमोहन सिंह के साथ उनका रिश्ता दखलंदाजी पर नहीं, बल्कि आपसी भरोसे और सम्मान पर आधारित था।

रूस और चीन के दौरों तथा 2008 के समझौते का जिक्र

सोनिया गांधी की पुस्तक में रूस और चीन के उनके दौरों तथा चीन के साथ कांग्रेस पार्टी के वर्ष 2008 के समझौते पर भी रोशनी डाली गई है। सोनिया गांधी ने लिखा है कि रूस और चीन में उनके पहले और सबसे बाद के दौरे ऐसे हैं, जैसे दो अलग-अलग दुनिया में जाना। उन्होंने लिखा है कि वर्ष 1985 में वह सोवियत संघ में प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पत्नी के तौर पर गई थीं और वर्ष 2005 में व्लादिमीर पुतिन के रूस गईं। वर्ष 1988 में वह देंग शियाओपिंग के चीन गई थीं और वर्ष 2008 में हू जिंताओ के चीन का दौरा किया था।

सोनिया गांधी ने लिखा है कि वह रूस और चीन दोनों देशों में कांग्रेस अध्यक्ष और यूपीए अध्यक्ष के तौर पर गईं, लेकिन चीन में उनका दौरा उनके परिवार के लिए निजी निमंत्रण पर हुआ था। उनके परिवार को चीन की सरकार ने बीजिंग ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया था। वहां उपराष्ट्रपति के तौर पर शी जिनपिंग ने उनके परिवार का गर्मजोशी से स्वागत किया था।

दोनों देशों के राजदूतों और विदेश मंत्री आनंद शर्मा की मौजूदगी में, यूथ कांग्रेस के प्रभारी महासचिव राहुल गांधी के साथ कांग्रेस ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ पार्टी-टू-पार्टी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। सोनिया गांधी ने लिखा है कि इस समझौते से कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

राजीव गांधी से पहली मुलाकात का भी जिक्र

सोनिया गांधी की पुस्तक उनके निजी रिश्तों पर भी काफी कुछ कहती है। पुस्तक में सोनिया गांधी ने लिखा है कि कैंब्रिज के एक रेस्टोरेंट में उन्होंने राजीव गांधी को पहली बार देखा था। सोनिया गांधी के मुताबिक, वह एक आकर्षक युवा व्यक्ति की ओर खिंची चली आई थीं, जिसका शांत स्वभाव अपने शोरगुल करने वाले साथियों के बीच अलग नजर आता था।

साझा मित्र क्रिश्चियन वॉन स्टिग्लिट्ज के जरिए उनकी राजीव गांधी से औपचारिक मुलाकात हुई। इस पल के लिए सोनिया गांधी ने इतालवी मुहावरे अन कोल्पो दी फुलमिने का इस्तेमाल किया है, जिसका अर्थ बिजली गिरने जैसा प्यार है। उन्होंने लिखा है कि राजीव गांधी ने जब हाथ बढ़ाया तो उनका दिल तेजी से धड़कने लगा और हाथ कांपने लगे।

बाद में राजीव गांधी ने भी स्वीकार किया था कि उन्हें सोनिया गांधी को लेकर ऐसा ही आकर्षण हुआ था। इसके बाद दोनों एलि कैथेड्रल घूमने गए और नियमित रूप से मिलने लगे। सोनिया गांधी को बाद में पता चला कि राजीव गांधी उस समय 21 वर्ष के थे और ट्रिनिटी कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे। वह जवाहरलाल नेहरू के पोते थे।

मेनका गांधी को लेकर परिवार में बंटवारे का जिक्र

मेनका गांधी को लेकर परिवार में हुए बंटवारे पर भी सोनिया गांधी ने पुस्तक में लिखा है। सोनिया गांधी के मुताबिक, संजय गांधी के समर्थकों ने मेनका गांधी को उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी के तौर पर आगे करना शुरू कर दिया था। लेकिन इंदिरा गांधी 23 वर्ष की मेनका गांधी को नेतृत्व के लिए अनुभवहीन मानती थीं। सोनिया गांधी की पुस्तक के मुताबिक, इंदिरा गांधी राजनीतिक पद हासिल करने की मेनका गांधी की जल्दबाजी से तनाव में थीं।सोनिया गांधी ने लिखा है कि इंदिरा गांधी पत्रिका सूर्या की बिक्री आरएसएस से जुड़े एक व्यक्ति को किए जाने को लेकर भी परेशान थीं। मेनका गांधी की लखनऊ में कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं की ओर से आयोजित एक रैली में भागीदारी के बाद दोनों के बीच अंतिम टकराव हुआ।इंदिरा गांधी ने मेनका से कहा कि वह ऐसी राजनीतिक गतिविधियों में शामिल रहते हुए घर में नहीं रह सकतीं, जिन्हें वह बेवफाई मानती थीं। इसके बाद मेनका गांधी परिवार का घर छोड़कर चली गईं। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया है कि मेनका ने इस अलगाव के लिए इंदिरा गांधी को जिम्मेदार दिखाने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने यह भी माना है कि उस समय वह और राजीव गांधी इस टकराव के दौरान मौजूद नहीं थे।

एनएसजी...

उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा होने तक एनएसजी कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनना शुरू कर देंगे।

अगले साल की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इस दौरान एनएसजी की सुरक्षा घेरे में रहने वाले कई वीआईपी चुनाव प्रचार में शामिल होंगे।

वर्तमान में यह बल जेड-प्लस श्रेणी के तहत नौ वीआईपी हस्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है। इनमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला शामिल हैं।

एनएसजी का मुख्य कार्य आतंकवाद विरोधी अभियान चलाना, विमान अपहरण की घटनाओं से निपटना और वीआईपी सुरक्षा प्रदान करना है। वीआईपी सुरक्षा के लिए इस बल में दो इकाइयां हैं, जिन्हें 12 स्पेशल रेंजर ग्रुप और 13 स्पेशल रेंजर ग्रुप कहा जाता है।

शहीदों...

जेल से बाहर आने के करीब एक साल बाद 10 नवंबर 2026 को अज्ञात हमलावरों ने उसे गोली मार दी।

उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। 11 फरवरी 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी थी। इस मामले में आरोपियों को नोटिस भी जारी हो चुका था। उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें चार आरोपियों की मौत की सजा और एक आरोपी की उम्रकैद की सजा को पलट दिया गया था। इसी बीच 10 नवंबर 2026 को मोहम्मद शरीफ की गोली लगने से मौत हो गई।

गाय गोद...

गोदभराई की रस्म पूरी होने के बाद चौधरी परिवार ने ग्रामीणों और रिश्तेदारों के लिए सामूहिक भोज का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और इस खुशी के अवसर पर परिवार के साथ उत्सव मनाया।

हरिभाऊ चौधरी के परिवार का कहना है कि गाय उनके लिए केवल एक पशु नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा है। इसी भावना के साथ उन्होंने गर्भवती गाय की गोदभराई को पारिवारिक समारोह की तरह मनाया।

पशु प्रेम और सामाजिक सद्भाव का संदेश

भारतीय संस्कृति में गाय को विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व दिया जाता है। चौधरी परिवार ने इसी आस्था और परंपरा के तहत यह आयोजन किया। गांव के लोगों की भागीदारी ने इस कार्यक्रम को सामूहिक उत्सव का रूप दे दिया।

इस आयोजन के माध्यम से परिवार ने पशुओं के प्रति प्रेम, उनकी देखभाल और सामाजिक मेलजोल का संदेश दिया। ग्रामीणों ने भी इस अनूठी पहल में भाग लेकर परिवार की खुशियों को साझा किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 11 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 26 को

खेमदास मठ चूड़ीधाम में 22 से 26 नवंबर तक पंच दिवसीय महोत्सव

हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगम बाजार स्थित चूड़ी बाजार के खेमदास मठ चूड़ीधाम में श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहा है। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 22 से 26 नवंबर 2026 तक पांच दिवसीय भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

श्री जीण माता एवं श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट के संस्थापक श्री गिरिश गुप्ता ने बताया कि मंदिर का निर्माण अत्यंत भव्य एवं आकर्षक शैली में किया जा रहा है। हैदराबाद, दिल्ली एवं जयपुर के कुशल कारीगरों ने अपने अथक परिश्रम, समर्पण एवं अद्भुत कलाकारी से मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान किया है।

श्री विनय जैन ने बताया कि पांच दिवसीय महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

22 नवंबर, रविवार : निशान एवं कलश यात्रा, मंगल पाठ

महोत्सव का शुभारंभ चारमीनार स्थित शिव मंदिर से भव्य निशान यात्रा एवं कलश यात्रा के साथ होगा। इसके पश्चात सायंकाल श्री जीण माता का मंगल पाठ 'जीण मई के लाडले' द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

23 नवंबर, सोमवार : भव्य भजन संध्या

श्री जीण माता एवं बाबा श्याम को रिझाने के लिए भव्य भजन



संध्या का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम भाग्यनगर के सुप्रसिद्ध भजन सम्राट श्री मुरारी दाहिमा के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा।

24 नवंबर, मंगलवार : सुंदरकांड पाठ

श्री हनुमानजी की असीम कृपा प्राप्ति के लिए भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसका वाचन सुप्रसिद्ध पाठ वाचक श्री कैलाश जावड़ा द्वारा किया जाएगा।

25 नवंबर, बुधवार : भव्य नगर भ्रमण

इस दिन श्री जीण माता एवं बाबा श्याम के भव्य नगर भ्रमण का आयोजन किया जाएगा। नगर भ्रमण का शुभारंभ बेगम बाजार से होगा।

26 नवंबर, गुरुवार : प्राण प्रतिष्ठा एवं भजन संध्या

महोत्सव के अंतिम दिन प्रातःकाल मंदिर में विधि-विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। इसके साथ ही भक्तों को माता रानी एवं बाबा श्याम के प्रथम दर्शन प्राप्त होंगे।

सायंकाल देश के विभिन्न शहरों से पधारने वाले सुप्रसिद्ध भजन कलाकार अपनी मधुर वाणी से श्री जीण भवानी एवं बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करेंगे। इनमें लखनऊ से गुड़िया विभा मिश्रा, कोलकाता से तुषार चौधरी एवं अभिषेक शर्मा, दिल्ली से प्रदीप आशीर्वाद तथा रायपुर से तरुण सोनी अपनी भक्ति प्रस्तुतियों से भक्तों को भावविभोर करेंगे।

श्री दीपक गुप्ता ने खेमदास मठ के महंत डॉ. मनुदास निरंजनी के प्रति विशेष आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया। उन्होंने कहा कि महंत श्री के सहयोग, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से ही इस भव्य मंदिर का निर्माण संभव हो पाया है।

श्री रमाकांत गोयल ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं एवं भक्तजनों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में पांच दिवसीय धार्मिक महोत्सव में सम्मिलित होकर श्री जीण भवानी एवं बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा इस ऐतिहासिक एवं भव्य आयोजन के साक्षी बनें।





दीपावली के पावन अवसर पर भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी के निवास पर परिवार के साथ दीपावली का पर्व धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुरेश कुमार सोनी, प्रियंका सोनी, जय श्री सोनी, अभिषेक सोनी, यश सोनी, जय लक्ष्मी सोनी, धनलक्ष्मी सोनी एवं प्रियांशु सोनी उपस्थित रहे।

'हाई-लाइफ' फैशन एवं लाइफस्टाइल एग्जीबिशन 15 से

एचआईसीसी नोवोटेल में सजेगा फैशन, ज्वेलरी और वेडिंग कलेक्शन का भव्य बाजार

हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देश के प्रमुख फैशन एवं लाइफस्टाइल एग्जीबिशन ब्रांड 'हाई-लाइफ' की ओर से नवंबर फैशन स्पेशल एग्जीबिशन का आयोजन 15, 16 एवं 17 नवंबर 2026 को हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी (नोवोटेल) में किया जाएगा।

इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में देशभर के प्रसिद्ध फैशन डिजाइनरों एवं प्रमुख फैशन ब्रांडों के आकर्षक कलेक्शन प्रदर्शित किए जाएंगे। इसमें डिजाइनर वियर, फेस्टिव वियर, ब्राइडल वियर, वेडिंग कलेक्शन, फैशन परिधान, ज्वेलरी, एक्सेसरीज एवं लाइफस्टाइल उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला देखने और खरीदने का अवसर मिलेगा।

हाई-लाइफ एग्जीबिशन फेस्टिवल, लाइफस्टाइल एवं वेडिंग शॉपिंग के लिए देश के लोकप्रिय प्रदर्शनी आयोजनों में शामिल है। अपने आकर्षक फैशन कलेक्शन, प्रतिष्ठित डिजाइनरों और प्रमुख फैशन लेबल्स के कारण यह प्रदर्शनी शॉपिंग के शौकीनों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है।

प्रदर्शनी में फैशन एवं लाइफस्टाइल से जुड़ी विभिन्न श्रेणियों के नए और रचनात्मक कलेक्शन प्रस्तुत किए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार, तीन दिनों तक चलने वाली यह प्रदर्शनी फैशन, शादी-ब्याह और उत्सवी खरीदारी के शौकीनों को एक ही छत के नीचे विविध विकल्प उपलब्ध कराएगी।



महेश बैंक में दीपावली पूजन



हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के प्रधान कार्यालय में पारंपरिक लक्ष्मी देवी पूजन का आयोजन कर दीपावली का पावन पर्व श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। विद्वान पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजा संपन्न कराई गई। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा।

पूजन कार्यक्रम में बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पालोद, निदेशक श्री देवेंद्र झावा, श्री कैलाश मंत्री, श्रीमती कविता तोशनीवाल, श्री विनोद कुमार बंग, व्यावसायिक निदेशक श्री सुमेष कुमार बंग, बीओएम (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट) के चेयरमैन सीए रामदेव भुताड़ा, बीओएम सदस्य सीए कन्हैयालाल राठी, बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हनुमंदास राठी, महाप्रबंधक श्री कमल किशोर राठी, उपमहाप्रबंधक श्री दिनेश बजाज एवं श्री अजीत कुमार वर्मा सहित बैंक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। भी ने पूरी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया तथा दीपावली के पावन अवसर पर सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं बैंक की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की।

तेलंगाना में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा नशा मुक्त भारत अभियान : बंडारू दत्तात्रेय



हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर सोमवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर स्थित आंध्र महिला सभा महिला महाविद्यालय में अलई बलई फाउंडेशन एवं वी-नेट स्वयंसेवी संगठन के संयुक्त तत्वावधान में बैठक आयोजित की गई। बैठक में तेलंगाना राज्यभर में मादक पदार्थों के उन्मूलन के लिए व्यापक स्तर पर कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया। इन कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निगरानी के लिए एक संचालन समिति गठित करने पर भी सहमति बनी। इस अवसर पर बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि वर्तमान में विद्यार्थियों के बीच नशे की लत की शुरुआत होना और धीरे-धीरे इसका ग्रामीण क्षेत्रों तक फैलना समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। युवाओं का नशीले पदार्थों के सेवन का आदी होना उनके भविष्य के साथ-साथ उनके परिवार और पूरे समाज को भी प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए केवल भाषणों और जागरूकता बैठकों तक सीमित रहने के बजाय जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने का निर्णय लिया गया है। जिन क्षेत्रों और गांवों में नशे का प्रभाव अधिक है, उनकी पहचान कर वहां स्थानीय लोगों एवं नशे से प्रभावित व्यक्तियों से सीधे बातचीत की जाएगी। साथ ही, उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने आगे कहा कि नशे की लत से मुक्ति पाने के लिए उपचार करा रहे लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुनर्वास केंद्रों का दौरा किया जाएगा। वहां उपचाराधीन लोगों को आवश्यक मार्गदर्शन देने के साथ-साथ उनका मनोबल बढ़ाने और उन्हें मानसिक संबल प्रदान करने के प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में आंध्र महिला सभा की अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. डी. चक्रपाणि, प्रोफेसर मुरली मनोहर, प्रोफेसर राजी रेड्डी, प्रमुख प्रेरक वक्ता श्री अकेल्ला राघवेंद्र, श्री संदीप, श्री विश्वनाथ, वी-नेट स्वयंसेवी संगठन के प्रतिनिधियों सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

गोवर्धन पूजा का संदेश प्रकृति और जीवों की रक्षा का संकल्प : सतीश कुमार गुप्ता



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास मंगलवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोवर्धन पूजा के पावन पर्व के उपलक्ष्य में अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संस्थापक सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा करने की लीला भारतीय संस्कृति, आस्था और जनकल्याण का अद्भुत संदेश देती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी इस लीला के माध्यम से समाज को यह प्रेरणा दी कि प्रकृति, पर्यावरण, गौवंश और समस्त जीवों की रक्षा करना प्रत्येक मनुष्य का नैतिक दायित्व है।

उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक परंपरा या उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने का पर्व है। गोवर्धन पर्वत को भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठ अंगुली पर उठाकर समस्त ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से सुरक्षित रखा था। इस प्रसंग से यह शिक्षा मिलती है कि जब समाज एकजुट होकर विश्वास, सहयोग और समर्पण के साथ आगे बढ़ता है, तब बड़ी से बड़ी कठिनाई का सामना भी किया जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण की यह लीला हमें सामूहिक सुरक्षा, परोपकार और सेवा भावना का महत्व समझाती है।सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद भी भगवान श्रीकृष्ण के बताए सेवा और करुणा के मार्ग पर चलते हुए नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक सहयोग पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, ई. जगन चंपापेट, नंद किशोर अग्रवाल, अनीता नथानी, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल एवं सूची गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाजहित के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार की ओर से अन्नप्रसाद का आयोजन



हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार की ओर से दीपावली की सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेंपल में अन्नप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर करीब 400 स्थानीय निवासियों ने अन्नप्रसाद ग्रहण किया। परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 40 माह से गोल्डन टेंपल में परिवार की ओर से नियमित रूप से प्रतिमाह अन्नप्रसाद वितरण किया जा रहा है। इस सेवा कार्य के अंतर्गत प्रत्येक माह करीब 400 स्थानीय निवासी प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस अवसर पर चावल, सांभर, चटनी, सब्जी, छाछ आदि व्यंजन अन्नप्रसाद के रूप में उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ हरे कृष्ण मंत्र के उच्चारण एवं प्रार्थना के साथ किया गया।

इसके पश्चात श्रद्धालुओं एवं स्थानीय निवासियों को अन्नप्रसाद वितरित किया गया। इस सेवा कार्य में परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल आदि ने सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। परिवार द्वारा पिछले 40 माह से निरंतर किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना की जा रही है।

सूखे से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए बैंकों को ऋण पुनर्गठन के निर्देश

तेलंगाना के 365 मंडलों में घोषित हुआ सूखा, किसानों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने पर जोर

हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की ओर से खरीफ-2026 के लिए सूखा राहत उपायों तथा सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही की 51वीं त्रैमासिक समीक्षा बैठक 10 नवंबर को हैदराबाद स्थित प्रजा भवन में आयोजित की गई। बैठक में राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त, योजना तथा ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू, कृषि, विपणन, सहकारिता एवं हथकरघा तथा वस्त्र मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, मुख्य सचिव संजय जाजू सहित राज्य एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, भारतीय स्टेट बैंक तथा विभिन्न सार्वजनिक एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में सूखे से प्रभावित किसानों को राहत देने, कृषि ऋणों के पुनर्गठन, नए ऋण उपलब्ध कराने तथा बैंकिंग योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।



किसानों को मिले समय पर वित्तीय सहायता

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि सूखे की स्थिति के कारण किसानों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बैंकों से पात्र प्रभावित किसानों के कृषि ऋणों का पुनर्गठन एवं पुनर्निर्धारण करने तथा उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप समय पर नए ऋण उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने छोटे एवं सीमांत किसानों, पात्र पट्टेदार किसानों तथा कृषि एवं उससे जुड़ी गतिविधियों पर निर्भर परिवारों तक राहत योजनाओं की जानकारी पहुंचाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने फसल विविधीकरण, कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों, वैज्ञानिक भंडारण सुविधाओं, खाद्य प्रसंस्करण तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने बैंकों से इन्हें सक्रिय वित्तीय सहायता देने का आह्वान किया।

उपमुख्यमंत्री ने रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा सेवा क्षेत्र के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बैंकों से इन क्षेत्रों को अधिक ऋण उपलब्ध कराने, ऋण वितरण के निर्धारित लक्ष्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा उद्यमियों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बैंक, वित्तीय संस्थान एवं सरकारी विभाग मिलकर काम करें, ताकि संस्थागत ऋण वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे और तेलंगाना राइजिंग विजन-2047 के लक्ष्यों को पूरा करने में योगदान मिले।

कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने पर जोर

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अल-नीनो के प्रभाव के कारण किसानों के सामने उत्पन्न हो रही कठिनाइयों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने संबंधित सरकारी विभागों से किसानों को जल संरक्षण के उपायों के प्रति जागरूक करने तथा दलहन एवं तिलहन जैसी कम पानी में उगाई जाने वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने बैंकों से सूखे से प्रभावित किसानों के ऋणों के पुनर्गठन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा जरूरत के अनुसार अतिरिक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने को कहा।

उन्होंने ऑयल पाम की खेती, ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई एवं अन्य कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। साथ ही जिला प्रशासन से सूखा राहत उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैंकों के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक सहयोग देने का आग्रह किया। वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही तक वार्षिक ऋण योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने बैंकों से कृषि क्षेत्र में ऋण वितरण बढ़ाने और निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों से अधिक उपलब्धि हासिल करने का आह्वान किया।

365 मंडलों में सूखे की स्थिति

राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान वर्षा की कमी के कारण राज्य के 365 मंडलों में सूखा घोषित किया गया है। इनमें 111 मंडल गंभीर रूप से तथा 254 मंडल मध्यम रूप से प्रभावित हैं। इसका कृषि उत्पादन एवं किसानों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा

है।उन्होंने बैंकों से पात्र कृषि ऋणों का पुनर्गठन एवं पुनर्निर्धारण करने, प्रभावित किसानों को समय पर वित्तीय राहत देने तथा नए ऋण उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यक हो, वहां ऋण भुगतान पर स्थगन अवधि (मोराटोरियम) तथा पुनर्भुगतान की अवधि बढ़ाने जैसी राहत दी जानी चाहिए। इसमें अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन कृषि ऋणों के साथ कृषि प्रसंस्करण एवं खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों से जुड़े ऋण भी शामिल किए जाएं।

मुख्य सचिव ने बैंकों से सीआईएमएस पोर्टल का उपयोग कर आवश्यक सूचनाएं एवं समाधान योजनाएं प्रस्तुत करने और अगले तीन से चार महीनों में ऋण पुनर्गठन की पूरी प्रक्रिया संपन्न करने का आग्रह किया। उन्होंने जिला कलेक्टरों, कृषि विभाग के अधिकारियों, बैंकों एवं किसान संगठनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मौजूदा सूखे की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सहायता मांगते हुए केंद्र सरकार को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने जल संरक्षण, जल संसाधनों के उचित उपयोग, जलवायु अनुकूल कृषि, फसल विविधीकरण एवं वैकल्पिक आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

बैंकों को अल-नीनो के प्रभाव से निपटने की तैयारी के निर्देश

वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया ने बैंक अधिकारियों से अल-नीनो के संभावित प्रभावों से निपटने के लिए तैयार रहने तथा बैंक शाखाओं के कर्मचारियों को सूखा राहत उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया।

बैंकिंग क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा

एसबीआई, हैदराबाद सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक नीलेश द्विवेदी ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही तक तेलंगाना में बैंकों के प्रदर्शन का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि तिमाही के दौरान बैंकों की कुल जमा राशि में 23,356 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई और कुल जमा 10,16,303 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इसी अवधि में कुल अग्रिम ऋण में 46,050 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ यह राशि 13,22,798 करोड़ रुपये हो गई। राज्य का ऋण-जमा अनुपात 130.16 प्रतिशत रहा।

वित्त वर्ष की पहली छमाही में बैंकों ने 42,885 करोड़ रुपये के अल्पकालीन फसल उत्पादन ऋण वितरित किए, जो खरीफ के निर्धारित लक्ष्य का 73.75 प्रतिशत है। कृषि संबद्ध गतिविधियों, कृषि आधारभूत संरचना एवं अन्य सहायक गतिविधियों के लिए 54,057 करोड़ रुपये के निवेश ऋण वितरित किए गए, जो वार्षिक लक्ष्य का 64.27 प्रतिशत है।

प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत 347 करोड़ रुपये के शिक्षा ऋण तथा 2,869 करोड़ रुपये के आवास ऋण वितरित किए गए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को 1,29,723 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया, जो वार्षिक लक्ष्य का 56 प्रतिशत है। वहीं विभिन्न वर्गों के लाभार्थियों को प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत कुल 2,31,394 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए, जो वार्षिक लक्ष्य का 53.31 प्रतिशत है।

डिजिटल बैंकिंग एवं वित्तीय समावेशन पर जोर

वित्तीय समावेशन के संबंध में बताया गया कि राज्य के बैंकों में प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के 135.43 लाख खाते हैं।

इनमें से 114.37 लाख खातों को आधार से जोड़ा गया है, जो कुल खातों का 84.44 प्रतिशत है। वहीं 94.01 लाख खातों में रुपे कार्ड जारी किए गए हैं, जो कुल खातों का 69.41 प्रतिशत है।

बैठक में बताया गया कि यूपीआई लेनदेन एवं डिजिटल बैंकिंग के उपयोग में वृद्धि हो रही है। बैंकों से साइबर धोखाधड़ी एवं ऑनलाइन खतरों से बचाव के लिए सुरक्षा उपाय मजबूत करने तथा आम जनता में जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया गया।

किसानों के ऋण पुनर्गठन में तेजी लाने का आह्वान

भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग की निदेशक मनसा गंगोत्री काटा ने बैंकों से पात्र सूखा प्रभावित किसानों के ऋण पुनर्गठन एवं समाधान योजनाएं बिना किसी देरी के शुरू करने का आग्रह किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री जनसुरक्षा पोर्टल के प्रभावी उपयोग से बीमा दावों का शीघ्र निपटारा करने पर जोर दिया।

उन्होंने जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण वितरण प्रक्रिया को सरल बनाने, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण उपलब्ध कराने तथा क्रेडिट गारंटी फंड योजना का लाभ उठाने की अपील ।

साथ ही केवाईसी एवं नामांकन संबंधी विवरण अपडेट करने और वित्तीय सेवा विभाग के विशेष अभियान के माध्यम से बिना दावे वाली वित्तीय संपत्तियों के मामलों का निपटारा करने पर जोर दिया।

भारतीय रिजर्व बैंक, हैदराबाद के क्षेत्रीय निदेशक चिन्मय कुमार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित पात्र ऋणधारकों की पहचान कर आरबीआई के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार समयबद्ध राहत उपाय लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने अतिरिक्त ब्याज अनुदान के संबंध में राज्य एवं केंद्र सरकार के बीच समन्वय की आवश्यकता बताई।

उन्होंने वित्तीय सेवा विभाग के संतृप्ति अभियान के तहत तेलंगाना की सभी ग्राम पंचायतों एवं शहरी स्थानीय निकायों में शिविर आयोजित करने तथा पुनः केवाईसी (री-केवाईसी) पर विशेष ध्यान देने की अपील की। साथ ही राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन रणनीति (एनएसएफआई) 2025-30 के निर्धारित लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने का आह्वान किया।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक बी. उदय भास्कर ने आश्वासन दिया कि विभिन्न कृषि गतिविधियों के लिए संशोधित इकाई लागत शीघ्र जारी की जाएगी, जिससे बैंकों को सूखा राहत उपायों के तहत किसानों की जरूरत के अनुसार अतिरिक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। उन्होंने तेलंगाना में नाबार्ड की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं पहलों की जानकारी भी दी।

बैठक का समापन एसबीआई एवं एसएलबीसी तेलंगाना के उप महाप्रबंधक (एबीयू एवं जीएसएस) ज्ञानेश्वर प्रसाद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

2553वां भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक दिवस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया

भगवान महावीर ने समता की साधना से सिद्धि प्राप्त की : मुनि श्री दीपकुमार

हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीपकुमारजी के पावन सान्निध्य में भगवान महावीर का 2553वां निर्वाण कल्याणक दिवस श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा किया गया। इस पावन अवसर पर मुनिश्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्र-जप का विशेष प्रयोग भी करवाया।



राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुनि श्री दीपकुमारजी ने भगवान महावीर के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान महावीर राजकुल में जन्मे और वैभव में पले-बढ़े, किंतु कभी वैभव में रमे नहीं। उन्होंने युवा अवस्था में ही समता के चक्षु विकसित किए और समता की साधना के माध्यम से सिद्धि प्राप्त की। वे जन-जन के बीच रहे और मानवता को शांति, समता एवं अनेकांत का मार्ग दिखाया।

मुनिश्री ने कहा कि भगवान महावीर का दर्शन केवल किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज के कल्याण के लिए है। उनकी अहिंसा कायरों की अहिंसा नहीं, अपितु एक योद्धा की अहिंसा थी, जिसमें अभय और पराक्रम का अद्भुत समन्वय था। आज भी भगवान महावीर की वाणी में विश्वशांति का मार्ग प्रशस्त करने की अपार क्षमता है। ऐसे महान प्रभु के प्रति हम प्रणत हैं। निर्वाण कल्याणक दिवस के संदर्भ में मुनिश्री ने आगे कहा कि भगवान महावीर के जीवन-दर्शन के बारे में हमने बहुत पढ़ा और सुना है। उनका जीवन निर्वाण की साधना को समर्पित था तथा उनका संपूर्ण दर्शन निर्वाण प्राप्ति के उपायों से परिपूर्ण था। निर्वाण संस्कृति में आस्था रखने वाले महापुरुषों की श्रृंखला में भगवान महावीर अग्रणी पुरोधा थे।मुनि श्री काव्यकुमारजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि महापुरुषों की सुदीर्घ श्रृंखला में भगवान महावीर का नाम अद्वितीय है। वे केवल धर्मप्रवर्तक ही नहीं थे, बल्कि महान लोकनायक, धर्मनायक एवं जन-जन के उन्नायक भी थे। उनका जीवन और दर्शन आज भी मानवता को सही दिशा देने वाला प्रकाशस्तंभ है।

आचार्य श्री तुलसी का 113वां जन्म दिवस समारोह आज

मुनि श्री काव्यकुमारजी ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 11 नवंबर 2026, बुधवार को तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में आचार्य श्री तुलसी का 113वां जन्म दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर क्रांतिकारी आचार्य श्री विमलसागर सूरिश्वरजी का पदार्पण होगा। कार्यक्रम क्रांतिकारी आचार्य श्री विमलसागर सूरिश्वरजी एवं मुनि श्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में प्रातः 9:15 बजे से प्रारंभ होगा।

दीपावली मिलन में हुआ शुभ मुहूर्त व्यापार

दी हैदराबाद किराना मर्चेंट एसोसिएशन की ओर से लक्ष्मी पूजन, आरती एवं स्नेह मिलन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दी हैदराबाद किराना मर्चेंट एसोसिएशन, बेगम बाजार की ओर से दीपावली के पावन अवसर पर दीपावली मिलन एवं शुभ मुहूर्त व्यापार समारोह उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11 बजे मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ हुआ।



इसके पश्चात आयोजित मंचीय कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष दामोदर दास विजयवर्गीय ने उपस्थित सभी सदस्यों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। संस्था के महामंत्री अविनाश देवड़ा ने भी सभी को बधाई देते हुए संस्था की ओर से संचालित गतिविधियों पर प्रकाश डाला तथा आगामी कार्यक्रमों में सभी सदस्यों से सहयोग करने की अपील की।

दीपावली स्नेह मिलन एवं शुभ मुहूर्त व्यापार के अवसर पर संस्था के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण राठी एवं घनश्याम भाटी ने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मसालों एवं बीजों का किया व्यापार

इसके पश्चात दीपावली के शुभ मुहूर्त में व्यापार का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस दौरान लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, सोंठ, शाही जीरा, खसखस, बादाम, जीरा, राई, मेथी, तिल्ली, कद्दू के बीज एवं सूरजमुखी के बीज सहित विभिन्न वस्तुओं का संस्था के सदस्यों ने आपस में उत्साहपूर्वक व्यापार किया।

पदाधिकारी एवं सदस्य रहे उपस्थित

इस अवसर पर संस्था के परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, अरविंद पटेल, रमेश सांकला 'रामसा', उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम मारोठिया, सहमंत्री कमल जैन, कोषाध्यक्ष दुर्गेश पंवार, सहकोषाध्यक्ष प्रकाश राठी तथा कार्यकारिणी मंडल के भगवानदास मुंदड़ा, नीलेश मारोठिया, राधेश्याम भाटी, गोपाल मुंदड़ा, रमेश व्यकार, दिनेश भाटी, अभिषेक देवड़ा, गोविंद पंवार, शरद अट्टल एवं नवल डालिया उपस्थित रहे।

इसके अलावा संस्था के सदस्य सुशील जैन, दिलीप डागा, राजेंद्र देवड़ा, अशोक भूतड़ा, हंसराज भाटी, सुंदरलाल भाटी, सुरेश भाटी, हुकमीचंद कच्छवाह, दुलीचंद टाक, दुलीचंद कच्छवाह, उमेश टाक, नटवरलाल पटेल, ओमप्रकाश, राजगोपाल करवा, दीपक बंग, देवेंद्र सांकला, आशीष टाक, कमल टाक सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन कमल जैन ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन एवं अल्पाहार के साथ दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न हुआ।

सेवा परमो धर्म संस्था ने अनाथ बच्चों संग मनाई दीपावली

हैदराबाद, 10 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नर सेवा ही नारायण सेवा है के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए सेवा परमो धर्म संस्था की ओर से दीपावली एवं धनतेरस के पावन अवसर पर सराहनीय एवं प्रेरणादायक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने अश्रिता बॉयज होम एवं सरकारी प्राथमिक विद्यालय, मोंडा मार्केट के अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को नए कुर्ता-पजामा, चॉकलेट एवं मिठाइयां वितरित की गईं। नए वस्त्र और उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताकर उन्हें त्योहार की खुशियों में शामिल किया।



सेवा एवं मानवता की भावना को आगे बढ़ाते हुए संस्था की ओर से इस अवसर पर दो दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर एवं नए वस्त्र भी भेंट किए गए। इस सेवा कार्यक्रम में संस्था के 25 से अधिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपना सहयोग प्रदान कर आयोजन को सफल बनाया। विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों एवं बच्चों ने संस्था के इस नेक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के समापन पर सुमन घोड़ेला एवं मेघा सिंघी ने उपस्थित सभी अतिथियों, संस्था के समर्पित सदस्यों एवं सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। संस्था ने अपने सेवा कार्यों के माध्यम से एक बार फिर यह संदेश दिया कि त्योहारों की वास्तविक खुशी दूसरों के जीवन में मुस्कान लाने और जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने में ही निहित है।

केबीआर पार्क में राधे-राधे ग्रुप ने किया नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की। कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता एवं मनीष अग्रवाल ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सेवा कार्य में योगदान दिया। इनके साथ राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नसेवा केवल भोजन उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता, संवेदना और परोपकार का प्रतीक है। जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही इस सेवा कार्य का वास्तविक उद्देश्य है।



राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित यह सेवा अभियान समाज में निस्वार्थ सेवा और मानव कल्याण की भावना को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.